Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं
Ranchi • Tuesday, 17 September 2024 • Year : 02 • Issue : 240 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अवकाश की सूचना

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को 'द फोटोन न्यूज' कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 19 सितंबर को बाजार में आएगा। खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें– www.thephotonnews.com

शुभकामनाएं

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 'द फोटोन न्यूज' की ओर से पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं हॉकरों सहित सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

SHARE

संसेक्स	:	82,988.78
निफ्टी	:	25,383.75

SARAFA

सोना	:	7,500
चांदी	:	98.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

टैंकर और बस की टक्कर में आठ लोगों की मौत

SIROHI : उदयपुर–पालनपुर फोरलेन हाईवे (एनएच–27) पर पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र में कैंटल पुलिया के पास रविवार देर रात रॉन्ग साइड आ रही बस (तूफान गाड़ी) टैंकर से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 8 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। तूफान गाड़ी में सवार सभी लोग उगनासार (उदयपुर) से सिरोही होते हुए पाली के नाकोड़ा मंदिर में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। कैंटल पुलिया के पास तूफान गलत साइड में जाकर सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गई। पिंडवाड़ा थाना अधिकारी, पिंडवाड़ा डीएसपी भंवरलाल चौधरी और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। बुरी तरह क्षतिग्रस्त गाड़ी से घायलों को निकालने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को पिंडवाड़ा सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें सिरोही जिला अस्पताल रेफर किया गया। सिरोही के एडिशनल एसपी प्रभु दयाल धानिया ने बताया कि तूफान गाड़ी रॉन्ग साइड में आ रही थी जो सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गई। गाड़ी में 29 लोग सवार थे। इनमें से आठ की मौत हो गई। 16 लोग घायल हैं। पांच लोग सुरक्षित हैं। हादसे में सूरजमल (40), झाला और 6 अन्य की मौत हो गई।

भारत ने वियतनाम को दी 1 मिलियन डॉलर की मदद

NEW DELHI : भारत ने तूफान यागी के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित वियतनाम की मदद के लिए 1 मिलियन डॉलर(लगभग 8.4 करोड़ रुपए) की राहत सामग्री भेजी है। भारत ने इसे ऑपरेशन सद्भाव नाम दिया है। इस ऑपरेशन के तहत भारत ने वॉटर फिल्टर, पानी के कंटेनर, कंबल, रसोई के बर्तन और सोलर लालटेन जैसी कुल 35 टन की राहत सामग्री भेजी है। इस सामग्री को रविवार रात वायुसेना के 317 विमान से भेजा गया है। यागी से वियतनाम में हुए नुकसान के बाद प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर ने वियतानाम के लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी। वियतनाम के अलावा भारत ने यागी से प्रभावित म्यांमार और लाओस को भी राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री जयशंकर ने इसकी जानकारी एक्स पर पोस्ट कर दी है। वियतनाम में तूफान यागी के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

पेज 05 पर पढ़ें पर संबंधित खबरें।

अमन के पैगाम के साथ मनाई गई ईद मिलादुन्नबी

सोमवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पैगंबर ईद मिलादुन्नबी का जन्म दिवस मनाया। पैगंबर साहब के जन्म दिवस पर जुलूस निकाल कर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर रांची समेत पूरे झारखंड में भव्य जुलूस निकाला गया। मूसलाधार बारिश के बावजूद लोगों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। हजारों की तादाद में लोग जुलूस में शामिल हुए। हाथों में इस्लामी झंडा लिए जुलूस में शामिल मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद मिलादुन्नबी के नाम के नारे लगाए। जुलूस में हर उम्र के लोग शामिल थे। कई लोग बारिश से बचने से लिए छाता लगाए जुलूस में शामिल थे। वहीं जुलूस में वाहन भी शामिल थे। वाहनों के ऊपर बैठे लोग माइकिंग कर रहे थे। बताया गया कि पैगंबर साहब ने पूरी दुनिया को अमन, चैन और शांति का पैगाम दिया था। उनका मानना था कि लोगों में सबसे बेहतर इंसान वही है, जो दूसरों को मदद करे।

जनहित याचिका पर हुई सुनवाई, अगली बहस 18 को

स्कूल बसों में होनी चाहिए महिला शिक्षक या वार्डन, बच्चों की सुरक्षा जरूरी : हाईकोर्ट

- गृह सचिव, नगर विकास विभाग के सचिव, महिला बाल विकास सचिव, रांची के डीसी, नगर निगम के आयुक्त और रांची एसएसपी को कोर्ट में उपस्थित होने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए कहा है कि सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्कूल बसों और वैनों में एक महिला शिक्षक तब तक उपस्थित रहे, जब तक कि अंतिम बच्चा सुरक्षित अपने घर नहीं पहुंच जाता। दरअसल झारखंड के अलग अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराधों पर रोक के लिए हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसपर हाईकोर्ट ने पिछले दिनों सुनवाई की थी। अदालत ने महिलाओ एवं छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की थी। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ अब 18 सितंबर को इस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी।

50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवा

थमने का नाम नहीं ले रही वर्षा तेज हवाओं का भी कहर, अलर्ट

- बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण बरस रहा जोरदार पानी
- नदियों, तालाबों और डैमों का जलस्तर बढ़ा, कई इलाकों में पुल पर बह रहा पानी
- लगातार बरसात से जन जीवन अस्त-व्यस्त, बाहर निकलना हो रहा मुश्किल

PHOTON NEWS RANCHI : दो दिनों से झारखंड में मौसम का मूड यूं विकराल हो गया कि बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार से शुरू हुई बारिश सोमवार को लगातार जारी रही। विश्वकर्मा पूजा के दिन यानी मंगलवार को भी भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। तेज हवाओं का कहर भी लोगों को परेशान कर रहा है। मंगलवार के लिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी है। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण रविवार से ही कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। सोमवार को भी लोगों को बारिश से राहत नहीं मिली। लगातार हो रही बारिश के कारण जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम केंद्र ने पलामू प्रमंडल में रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश से बचने की सलाह दी है। सोमवार को सुबह से ही तेज हवा के साथ बारिश होती रही। हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे चल रही है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने पलामू, गढ़वा, लातेहार और सिमडेगा में रेड अलर्ट जारी कर भारी बारिश की चेतावनी दी है। इस दौरान तेज हवाएं भी चलेंगी। लगातार हो रही बारिश से सभी नदी और तालाब लबालब हो गए हैं। कई इलाकों में पुल पर पानी बह रहा है। कई इलाकों में भारी जलजमाव की स्थिति पैदा हो गई है। मौसम केंद्र ने चतरा, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बिजली व्यवस्था भी बाधित हो गई है।

लातेहार में सुग्गा फॉल का दिख रहा विकराल रूप

रांची समेत इन जिलों के लिए येलो अलर्ट

रांची, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद में मंगलवार को भारी बारिश होगी। मौसम केंद्र ने इन जिलों में येलो अलर्ट जारी कर लोगों को सावधान रहने को कहा है। इस दौरान इन इलाकों में 7–11 सेमी बारिश होने की संभावना है।

पलामू में भी नदियां उफान पर

पलामू में लगातार भारी बारिश से जिले के कई क्षेत्रों की नदियां उफान पर हैं, पांडू के बांकी नदी उफान पर है, जिससे बेलहरा गांव के कई घर पानी में डूबे पड़े हैं। गुमटी,किराना दुकान, सैलून समेत कई चीजों के नदी में बह जाने की सूचना सामने आ रही है। स्वर्णरेखा और खरकई नदी भी उफान पर हैं। दोनों नदियों में जलस्तर काफी बढ़ गया है। नदियों के किनारे रहने वालों से सर्तक रहने की अपील की गई है। साथ ही नदी की ओर नहीं जाने का भी आग्रह किया गया है।

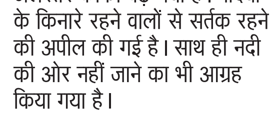

अब सामान्य से सिर्फ 6 प्रतिशत कम बारिश

पिछले दो दिनों में राज्य के लगभग सभी हिस्सों में हुई भारी बारिश से वर्षा की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। कुछ दिन पहले तक राज्य में सामान्य से 15 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी, लेकिन सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अब यह कमी घटकर केवल 6 प्रतिशत रह गई है। धनबाद और रांची समेत कई जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जबकि पाकुड़ जिले में सामान्य से 50 प्रतिशत कम बारिश हुई है। चतरा, देवघर, गुमला, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम जैसे जिलों में भी कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक वर्षा चतरा जिले के टंडवा में 163 मिलीमीटर दर्ज की गई है। अन्य क्षेत्रों में लावालैंग में 145.4 मिमी, सिमरिया में 142 मिमी, मैथन में 140 मिमी, पुटकी में 112 मिमी, जमशेदपुर में 86.8 मिमी, कोडरमा में 85.2 मिमी, चाईबासा में 67 मिमी, हजारीबाग में 83 मिमी और रांची के कांके में 84.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

एक बच्चे की मौत

बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के कारण झारखंड के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण राज्य में जान–माल का नुकसान भी हुआ। पलामू में एक बच्चे की मौत हो गई है। लातेहार में पानी के बहाव में एक व्यक्ति बह गया।

गेतलसूद डैम की स्थिति

पिछले तीन दिनों से झारखंड में हो रही बारिश से डैम और नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है। गेलसूद डैम में पानी का स्तर खतरे के निशान से सिर्फ पांच ईंच कम है। अधिक बारिश जारी रही तो डैम के फाटक खोले भी जा सकते हैं। पतरातू डैम के जलस्तर में भी वृद्धि हो गई है। रांची जिले में हमांडर के टांगरबसली पचपदा मुख्य पथ पर बिरगोड़ा नदी पर बनाया गया बांस का डायवर्सन तेज बारिश में बह गया।

तेनुघाट का बढ़ा जलस्तर

तेनुघाट डैम में भी जलस्तर काफी बढ़ गया है। डैम का जल स्तर बढ़ जाने के कारण डैम के छह फाटक खोल दिए गए हैं। जिसके कारण दामोदर नदी का भी जलस्तर काफी बढ़ गया है। कई क्षेत्रों में नदी का पानी भी घुस गया है। तेनुघाट डैम से दामोदर नदी में 12 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड पानी छोड़ा जा रहा है। इसे लेकर नदी के किनारे रहने वालों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

भारत छठी बार एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी के फाइनल में पहुंचा

- चीन से होगा मुकाबला
- सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 4–1 से हराया, कप्तान हरमनप्रीत ने किए 2 गोल
- मैच के पहले ही मिनट से कोरिया पर बनाया दबाव

AGENCY NEW DELHI : खेल के क्षेत्र में वाकई यह बड़ी उपलब्धि है कि भारत छठी बार एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है। सोमवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हरा दिया। मुकाबला चीन में हुलुनबुइर के मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस में खेला गया। इस टूनामेंट में भारत की यह लगातार छठी जीत है। भारत के लिए सबसे ज्यादा 2 गोल कप्तान हरमनप्रीत ने किए। उनके अलावा उत्तम सिंह, जरमनप्रीत ने 1-1 गोल किया। साउथ कोरिया की तरफ से यंग जी हुन ने गोल किया। फील्ड गोल के लिए जरमनप्रीत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत फाइनल में मंगलवार को मेजबान चीन से खेलेगा। यह मुकाबला भारतीय टाइमिंग के हिसाब से दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा। चीन ने पाकिस्तान को पहले सेमीफाइनल के पेनल्टी शूट-आउट में 2-0 से हराया। मैच के पहले ही मिनट से भारत ने कोरिया पर दबाव बनाया। भारत ने कोरिया की डी पर एक के बाद एक कई मौके बनाए। क्वॉर्टर के 13वें मिनट में उत्तम सिंह ने गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। उन्होंने आरईजीत सिंह हुंदल के असिस्ट पर फील्ड गोल किया। इससे पहले, भारत ने चौथे और पांचवें मिनट में गोल के दो मौके गंवाए।

हाफ टाइम से पहले हरमनप्रीत का गोल

मैच के 19 वें मिनट में सरपंच साहब के नाम से मशहूर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने भारत को मिले पहले पेनल्टी कॉर्नर में गोल किया। अभिषेक के इंजेक्शन में हरमन ने सीधा शॉट लिया जो कोरियन डिफेंडर से डिफलेक्ट होकर गोल में चली गई। इसके बाद 27वें मिनट में भारतीय डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने सुखजीत को एरियल पास दिया। जिस पर सुखजीत गोल नहीं कर पाए इस क्वॉर्टर के बाद भारत 2-0 से आगे था। तीसरे क्वॉटर के शुरूआत में भारतीय डिफेंडर ने बढ़त 3-0 कर दी। यहां जरमनप्रीत ने अकेले बॉल आगे लाते हुए डी के बाहर से फील्ड गोल किया। उन्होंने तेजी से शॉट गोल को तरफ मारा जिसे कोरियन गोलकीपर रोक नहीं पाए। मैच के 33वें मिनट में साउथ कोरिया ने वापसी की। कोरिया के ड्रैगफ्लिकर यंग जी हुन ने पेनल्टी कॉर्नर में शानदार गोल किया। इसके बाद हरमनप्रीत ने तीसरे क्वॉटर के 46वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में कन्वर्ट करके भारत को 4-1 से आगे कर दिया।

2029 तक देश में एकसाथ हो सकते हैं चुनाव, 6 महीने पहले रिपोर्ट सौंप चुकी कोविंद कमेटी

'वन नेशन, वन इलेक्शन' का प्लान मुकम्मल

AGENCY NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस तीसरे कार्यकाल में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लागू करने का प्लान मुकम्मल कर लिया गया है। बता दें कि सोमवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे हो गए हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र में भी इसका वादा किया गया था। ऐसे में वन नेशन–वन इलेक्शन को लेकर तैयारी पूरी होने की बात कही जा रही है। पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस की अपनी स्पीच में प्रधानमंत्री ने वन नेशन–वन इलेक्शन की वकालत की थी। उन्होंने कहा था कि बार–बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा पैदा कर रहे हैं। वन नेशन, वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। यह 18,626 पन्नों की है। पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स–एक्सपट्र्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है।

तीसरे कार्यकाल के 100 दिन हो गए पूरे, लोकसभा चुनाव में भाजपा ने किया था वादा

कमेटी ने दिए हैं ये सुझाव

सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए। हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। पहले फेज में लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं, उसके बाद दूसरे फेज में 100 दिनों के भीतर लोकल बॉडी के इलेक्शन कराए जा सकते हैं। चुनाव आयोग लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से सिंगल वोटर लिस्ट और वोटर आई कार्ड तैयार करेगा।

मौजूदा संविधान के तहत यह संभव नहीं : चिदंबरम

सोमवार को कांग्रेस नेता पी.चिदंबरम ने 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे पर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर निशाना साधा और कहा कि मौजूदा संविधान के तहत यह संभव नहीं है तथा इसके लिए कम से कम पांच संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता है। भाजपा नीत राजग सरकार द्वारा अपने मौजूदा कार्यकाल में 'एक देश, एक चुनाव' को लागू किए जाने की खबरों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इन संवैधानिक संशोधनों को करने के लिए प्रधानमंत्री के पास न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा में पर्याप्त संख्या है।

पूरे देश में एक साथ होंगे विस और लोस के चुनाव

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग–अलग समय पर होते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। यानी मतदाता लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर या चरणबद्ध तरीके से अपना वोट डालेंगे। आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही हुए थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं।

आज 4.30 बजे एलजी से मिलेंगे केजरीवाल

NEW DELHI : मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस्तीफे की चर्चा के बीच सीएम केजरीवाल ने उप राज्यपाल से मंगलवार को मिलने का समय मांगा था। जिसपर एलजी कार्यालय की ओर से बताया गया कि उप राज्यपाल वीके सक्सेना और सीएम अरविंद केजरीवाल के बीच मंगलवार शाम 4.30 बजे एलजी सचिवालय में बैठक होगी। दिल्ली का नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए सोमवार शाम को आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक सहित कई बैठकें होने की संभावना है। आप नेताओं ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुख्यमंत्री पद के संभावित नामों पर केजरीवाल के साथ चर्चा के लिए उनके आधिकारिक आवास पर पहुंचे।

'गिफ्ट' सिटी तक खुद भी किया सफर

मेट्रो ट्रेन को पीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

AGENCY AHMEDABAD : सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद और गांधीनगर को जोड़ने वाले मेट्रो रेल विस्तार के दूसरे चरण का उद्घाटन किया। मोदी ने हरी झंडी दिखाकर नए मार्ग पर मेट्रो ट्रेन सेवा की शुरूआत की और गांधीनगर के सेक्टर एक स्टेशन से 'गिफ्ट' (जीआईएफटी) सिटी तक मेट्रो ट्रेन में सफर किया। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मेट्रो ट्रेन में सफर के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहे। यात्रा के वक्त मोदी ने मेट्रो ट्रेन में उपस्थित छात्रों और अन्य यात्रियों से बातचीत की।

वंदे मेट्रो का नाम अब नमो भारत रैपिड रेल

सोमवार को रेल मंत्रालय ने नवनिर्मित वातानुकूलित वंदे मेट्रो ट्रेन का नाम बदलकर नमो भारत रैपिड रेल करने का निर्णय किया है। रेल मंत्रालय ने मेट्रो ट्रेन का नाम बदलने की सूचना जारी कर दी है। नमो भारत रैपिड रेल छोटी एवं मध्यम दूरी की यात्रा को न्यूनतम समय में पूरा करेगी, जबकि अन्य मेट्रो केवल छोटी दूरी तय करती हैं। नमो भारत रैपिड रेल शहरों को शहरों से जोड़ेंगी।

THE PHOTON NEWS
02 www.thephotonnews.com
Tuesday, 17 September 2024

कला-साहित्य

खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन : पांडिचेरी

घुमक्कड़ की पाती

मेरे भी मन में पांडिचेरी के फ्रेंच क्वार्टर देखने की लालसा थी, जिन्हें लोग व्हाइट टाउन के नाम से जानते हैं। इस जगह की सड़कें, औपनिवेशिक घर, इनकी दीवारें, बोगनविलिया से सुसज्जित गेट देखने की उत्सुकता रही है। इस जगह का खानपान और कैफे एक अलग और खूबसूरत कहानी सुनाता जान पड़ता है। पांडिचेरी में सर्फिंग और स्कूबा डाइविंग भी खूब होती है। यह जगह अपने समुद्र तटों के लिए जितना प्रसिद्ध है, उतना ही अरबिंदो आश्रम जैसी अनोखी जगह के लिए भी जाना जाता है। इसलिए हम दिल्ली से सीधे पांडिचेरी के लिए निकल पड़े। हम देर रात पहुंचे थे, पर बहुत ही आसानी से होटल मिल गया। हम रात भर आराम से सोए और अपनी यात्रा के पहले दिन श्री अरबिंदो आश्रम देखने के लिए निकल पड़े। श्री अरबिंदो आश्रम पांडिचेरी की सबसे प्रमुख और लोकप्रिय जगहों में आती है। इस जगह की स्थापना अरबिंदो घोष ने की थी, जो वर्तमान में ध्यान और अध्यात्म के लिए जाना जाता है।

पांडिचेरी जिसे कुछ लोग पुडुचेरी या पुदुचेरी के नाम से भी सम्बोधित करते हैं। हमारे देश का एक बहुत ही खूबसूरत और प्रमुख हिल स्टेशन है, जहां देश-दुनिया से सैलानी घूमने और इस जगह को देखने के लिए आते हैं। आपको बता दूं कि यह कभी फ्रांसीसी उपनिवेश हुआ करता था, जो वर्तमान में पारंपरिक भारतीय संवेदनाओं के साथ-साथ फ्रांसीसी वास्तुकला की झलक को एक साथ प्रस्तुत करता है। यह एक खूबसूरत और रोमांटिक डेस्टिनेशन का फील देता है, जिसकी वजह से लोग इस जगह पर आते हैं और समुद्री किनारों के बीच में कहीं खो जाते हैं। इस जगह का अपना अलग आकर्षण है, जो मुझे भी अक्सर प्रभावित करता रहा है। मेरे भी मन में पांडिचेरी के फ्रेंच क्वार्टर देखने की लालसा थी, जिन्हें लोग व्हाइट टाउन के नाम से जानते हैं। इस जगह की सड़कें, औपनिवेशिक घर, इनकी दीवारें, बोगनविलिया से सुसज्जित गेट देखने की उत्सुकता रही है। इस जगह का खानपान और कैफे एक अलग और खूबसूरत कहानी सुनाता जान पड़ता है। पांडिचेरी में सर्फिंग और स्कूबा डाइविंग भी खूब होती है। यह जगह अपने समुद्र तटों के लिए जितना प्रसिद्ध है, उतना ही अरबिंदो आश्रम जैसी अनोखी जगह के लिए भी जाना जाता है। इसलिए हम दिल्ली से सीधे पांडिचेरी के लिए निकल पड़े। हम देर रात पहुंचे थे, पर बहुत ही आसानी से होटल मिल गया। हम रात भर आराम से सोए और अपनी यात्रा के पहले दिन श्री अरबिंदो आश्रम देखने के लिए निकल पड़े। श्री अरबिंदो आश्रम पांडिचेरी की सबसे प्रमुख और लोकप्रिय जगहों में आती है। इस जगह की स्थापना

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

अरबिंदो घोष ने की थी, जो वर्तमान में ध्यान और अध्यात्म के लिए जाना जाता है। कहा जाता है कि यह आध्यात्मिक अनुभवों को प्राप्त करने की एक बहुत ही प्यारी और उपयुक्त जगह है। यह जगह मुझे बहुत ही अच्छी लगी। इस जगह पर लोग मोक्ष प्राप्ति की इच्छा के साथ रहने के लिए आते हैं। इस जगह पर आकर आप शांति के साथ रह सकते हैं। इस जगह के ध्यान से प्राप्त आध्यात्मिक अनुभव को ले सकते हैं। श्री अरबिंदो आश्रम की शांति आपको सुकून देगी।

अरबिंदो आश्रम देखने योग्य

श्री अरबिंदो आश्रम देखने के बाद समुद्र तटीय सैरगाह का ख़्याल आया और हम समुद्र तटीय सैरगाह देखने के लिए निकल गए। यह पांडिचेरी के सबसे खास और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जितना खूबसूरत है, उतना ही विविधतापूर्ण। इस जगह पर आकर आप इस खूबसूरत तटीय शहर की उन फ्रांसीसी जड़ों को एक्सप्लोर कर सकते हैं, जिसकी छाप अभी भी इस जगह पर दिखाई देती है। तकरीबन डेढ़ किलोमीटर तक फैले इस समुद्र तटीय सैरगाह पर आपको कई घूमने लायक स्थल मिल जाते हैं। इस जगह पर जॉन ऑफ आर्क और महात्मा गांधी की मूर्ति के साथ-साथ पुराना हेरिटेज हॉल भी देखा जा सकता है।

बॉटनिकल गार्डेन में दिखेगी फ्रांसीसी वास्तुकला

इसके बाद हम बॉटनिकल गार्डेन देखने के लिए गए। पांडिचेरी का बॉटनिकल गार्डेन देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में आता है। इस जगह को एक बहुत ही आकर्षक फ्रांसीसी उद्यान की तरह विकसित किया गया है। यह देश ही नहीं, विदेशी सैलानियों के लिए भी एक शांतिपूर्ण और आरामदायक जगह है। इस जगह पर आकर लोग बैठ अथवा आराम कर सकते हैं। मुख्य गेट पर राजसी फ्रांसीसी वास्तुकला की बहुत ही खूबसूरत झलक देखने को मिलती है। इस गार्डेन में हजारों प्रकार के पौधे लगे हैं। इन सभी पौधों को अलग अलग खंडों में विभाजित किया गया है। इस जगह पर आकर आपको कई विशाल पेड़ और प्रागैतिहासिक काल की वनस्पतियां देखने को मिल सकती हैं।

एक बार जरूर लें चुन्नमबार बोटहाउस का आनंद

हम वापस लौटने को थे, तभी किसी ने चुन्नमबार बोटहाउस देखने का सुझाव दिया। चुन्नमबार बोट हाउस पांडिचेरी के सबसे लोकप्रिय और खूबसूरत पर्यटन स्थलों में गिना जाता है। इसलिए हमने सोचा कि इसे भी देखते हैं। इस जगह को दक्षिणी भारत के उष्णकटिबंधीय रत्न के तौर पर जाना जाता है। इस जगह पर आकर आप एक बहुत ही खूबसूरत हाउसबोट का अनुभव ले सकते हैं। यह एक तरफ से विदेशी जलधारा से घिरा होने के नाते काफी सुंदर दृश्य उत्पन्न करता है। इस जगह पर आकर आप अपना पूरा दिन नौकायन करते हुए बिता सकते हैं। इस जगह पर आकर आप धूप सेंक सकते हैं, समुद्री किनारों की सैर कर सकते हैं, वॉटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हैं।

फ्रांसीसी शासक का स्मारक भी दर्शनीय

कुछ ही दूरी पर डुप्लेक्स की मूर्ति पड़ती है। यह भी पांडिचेरी के सबसे खास और लोकप्रिय स्थलों में आती है। यह प्रोमेनेड समुद्र के तट पर स्थित जोसेफ फ्रेंकोइस डुप्लेक्स का स्मारक है, जो फ्रांसीसी शासक हुआ करता था। यह स्मारक 150 वर्ष से भी कहीं ज्यादा पुराना है। बताया जाता है कि डुप्लेक्स के नेक काम को देखते हुए फ्रांसीसियों ने 1870 के आसपास उसकी दो मूर्तियां बनवायीं, जिनमें से एक को फ्रांस और दूसरे को भारत के पुदुचेरी में स्थापित किया गया। वर्तमान में यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। इस जगह को काफी लोग देखने के लिए आते हैं। हमें भी यह काफी अच्छी लगी, पर थकान भी बढ़ गई थी, इसलिए होटल लौट आए।

वेश्या के नाम पर बना पार्क

हमारे दूसरे दिन की शुरूआत आई मंडपम देखने से हुई, जिसे पार्क स्मारक के तौर पर भी जाना जाता है। यह पांडिचेरी की लोकप्रिय जगहों में गिना जाता है। भारती पार्क के बीचों-बीच खड़ी इस इमारत का निर्माण नेपोलियन-क्क्क के समय हुआ था, जो फ्रांस का सम्राट था। बताया जाता है कि यह स्मारक आई नाम से लोकप्रिय वेश्या की स्मृति में बनाया गया था। आई कहने को तो एक वेश्या थी, लेकिन जब शहर में पानी को लेकर तबाही मची, तो जल भंडार बनाने की खातिर अपने घर को ही ध्वस्त कर दिया था। यह इमारत बहुत ही सुंदर है और ग्रीको-रोमन वास्तुकला शैली में बनाई गई है। इस जगह की सज सजावट भी बहुत ही अच्छी तरह से की गई है। इस जगह पर आपको कई खूबसूरत और भव्य फव्वारे देखने को मिल जाएंगे।

मन मोह लेगा पैराडाइज बीच

हमारे तीसरे और आखिरी दिन की शुरूआत पैराडाइज बीच की सैर से हुई। यह बीच पांडिचेरी शहर के बिल्कुल नजदीक चुन्नमबार में स्थित है, जो अपनी खूबसूरती और अलग आकर्षण के लिए जाना जाता है। पैराडाइज बीच की सुनहरी रेत इस जगह पर आने वाले सैलानियों का मन मोह लेती है। वह इस छोटे और एकांत समुद्र तट को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। इस जगह पर जाने के लिए आप बैकवाटर पर नौका ले सकते हैं। समुद्र तट के प्रवेशद्वार पर आप ताजा नारियल पानी पी सकते हैं। इस जगह पर आपको खाने-पीने की भी कुछ चीजें मिल जाती हैं।

सफेद-नीला चर्च

फिर हम बेदाग कॉन्सेप्शन कैथेड्रल देखने के लिए गए। बेदाग कॉन्सेप्शन कैथेड्रल पांडिचेरी की एक लोकप्रिय जगह है। यह 300 साल पुराना चर्च अपने सफेद और नीले रंग की वजह से काफी खूबसूरत दिखाई देता है। इस जगह को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। समय के साथ इस जगह की प्रासंगिकता बढ़ी है। हालाँकि यह चर्च नवीकरण और जीर्णोद्धार की तमाम तरह की प्रक्रिया से गुजर चुका है। बताया जाता है कि पिछले 350 वर्षों में इसे तीन बार ध्वस्त और निर्मित किया गया है।

ऑरोविले का अनूठा टाउनशिप

इतना कुछ घूमने के बाद भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण जगह बची हुई थी, जिसे हम सब ऑरोविले के नाम से जानते हैं। यह एक प्रायोगिक टाउनशिप है। इस जगह की स्थापना फ्रांसीसी-भारतीय आध्यात्मिक गुरु मीरा अल्फासा ने 1968 में की थी। 'मीरा अल्फासा' को 'द मदर' या 'श्रीमां' के नाम से जाना जाता है। इस टाउनशिप को रोजर एंगर ने डिजाइन किया है, जो एक आर्किटेक्ट थे। वर्तमान में यह एक बहुत ही सुंदर और लोकप्रिय पर्यटन स्थल के तौर पर जाना जाता है। हमें भी यह जगह काफी शांत और प्रभावी लगी।

कविता

पद्मा मिश्रा
जमशेदपुर

'हिंदी हैं हम'

जब भाव भाषा की सहज करुणा जगेगी,
मां भारती के भाल की गरिमा बढ़ेगी,
देश का स्वाभिमान कविता बन ढलेगी
निज जननि-भाषा का सहज सम्मान होगा
तब कह सकेंगे गर्व से 'हिंदी' हैं हम।

हिंदी हमारी भारती का मान हो।
यही जब विश्व पट पर हमारी पहचान हो।
हम भावना के पंथ पर सर्जित करेंगे,
जय हिंद , हिंदी मातृ का अभिमान हो।
तब कह सकेंगे गर्व से हिंदी हैं हम।

तुलसी का मानस, कृष्ण की गीता यही है,
भारत का गौरव अवध की सीता यही है।
यह गांव की खुशबू, धरा का पर्व है।
हिंदी हमारी आत्मा का गर्व है।
गूंजेगी जग में आरती सी स्नेह का प्रतिदान बन।
तब कह सकेंगे गर्व से हिंदी हैं हम।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

■ कहानी

गड़ेरिया

जयनंदन
जमशेदपुर

शहर में बाबाओं की बाढ़ आ गयी थी। हर सप्ताह किसी न किसी कोने में बाबा हाजिर। विशाल पंडाल.... भव्य मंच.... पुष्पसज्जित नयनाभिराम राजसी सिंहासन.....बाबा विराजमान..... लंबी दाढ़ी, लंबे बाल या फिर पूरी तरह सफाचट, तन में गेरूआ चोंगा..... मुख मण्डल से प्रवचन रूपी प्रलाप....उसमें सामने बैठकर भींगते हुए भारी संख्या में श्रद्धांध श्रोता।

प्रायः सभी बाबाओं का ऐसा ही प्रारूप और मिलते-जुलते प्रवचन का एक ही निहितार्थ, चाहे वे सखानंद ताऊ हों, महात्मा ब्रह्मदेव हों, हरिप्रेम सुधाकर हों, कृतार्थ पुष्प हों, अनन्य भ्रमर हों, नरोत्तम प्रभु हों, अंत्योदय दादू हों या रामजप तीर्थ हों।

सोहाने को लगता कि यह पूरा शहर निराश और दुखी जनों का एक द्वीप है....सभी अपने जीवन से, अपने हालात से, अपने कर्म से, अपने भविष्य से निराश, भयभीत, ऊबे हुए और बेहद थके हुए।

वह सेठ पोमा ढनढनिया के किराना स्टोर में बेयरा का काम करता था। वह बी.कॉम. पास था। अपनी कामर्स डिग्री की विडम्बना पर उसे हंसी आती थी, जो इस्तेमाल हो रही थी चावल, दाल, आटा, चीनी, मसाला आदि तौलने में।

दुकान का मालिक पोमा उसका एक और इस्तेमाल करता था, अपने बूढे मां-बाप को प्रवचन स्थल तक छोड़ आने में। जहां कहीं भी प्रवचन हो, इन दोनों का वहां जाना सुनिश्चित रहता था। उसने लक्ष्य किया कि ज्यादातर श्रोताओं में वे शामिल हैं जो खाये, पीये, अघाये और अनाप-शनाप माल से लदे-फदे निठल्ले लोग हैं। जो डेली कमाने-खाने वाले गरीब-गुरबा छोटे लोग हैं, उनका इस प्रवचन सभा से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं। मतलब मुक्ति और भक्ति की तलब सिर्फ उन्हें थी जो कंठ तक भोग-विलास के चहबच्चे में डूबे हुए थे।

पोमा सेठ ने अपनी नजर के सामने गीता-सार टांग रखा था कि क्या लेकर आये हो, क्या लेकर जाओगे। मगर ग्राहक को उल्लू बना देने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देता था और कृपण इतना कि नौकरों की तनख्वाह दो रुपये भी बढ़ाने के लिए तैयार नहीं। उसने दुकान में ही गल्ला पेटी के ऊपर एक मंदिरनुमा आकृति लटकाकर उसमें एक बाबा 'तिलकराज कुंभ की प्रतिमा स्थापित कर रखी थी। यह कंट्रास्ट उसे बहुत उलझन में डाल देता था कि ज्यों-ज्यों तकनीक और विज्ञान चरम पर पहुंच रहा है, लोग उसी अनुपात में ढोंगी और कर्मकांडी बनते जा रहे हैं। सोहाने देखता था कि जब प्रवचन का कहीं कार्यक्रम नहीं होता तो पोमा सेठ के बूढ़े मां-बाप बाबाओं वाले किसी चैनल खोलकर सामने बैठ जाते। कभी-कभी चैनल देखते-देखते इनकी आँखें दुखने लगतीं तो वे रामचरित मानस और श्रीमद्भागवत गीता वाचने लगते। जब वे खुद से पढ़ने लायक नहीं रह गये तो सोहाने का एक और इस्तेमाल पोमा ने शुरू कर दिया। उसने कहा, 'अबे गड़ेरी, तूं तो पढ़ा-लिखा ग्रैजुएट है, जरा मां-बाउजी को कभी-कभी मानस और गीता सुना दिया कर, यार। पंडितों के बड़े नखरे होते हैं.... ढूंढने से जल्दी मिलते भी नहीं।'

पोमा उसे जब भी बुलाता था, सोहाने न बोलकर गड़ेरी ही बोलता था। शायद गड़ेरी बोलने से उसका मालिक का अहंकार जरा तुष्ट हो जाता होगा। ऐसे गड़ेरी कहे जाने से उसे आपत्ति नहीं थी, आपत्ति थी उसके बोलने के अंदाज से। सोहाने को पहले तो यह काम ठीक ही लगा कि चावल-दाल आदि तौलने जैसे अनपढ़-नीरस काम से तो अच्छा ही है कि गीता और रामायण पढ़ी जाये।

उसे क्या पता कि एक दिन ऐसा आयेगा कि यह काम भी उसे बेहद नीरस और बोरिंग लगने लगेगा। हुआ यों कि बूढ़ा-बूढ़ी का कभी भी मन कर जाता अखंड पाठ सुनने का। कभी वह सुबह से ही गीता पढ़ रहा है.....

कभी बारह बजे दिन से तलब हो गयी.... कभी रात में फरमान जारी हो गया। वह जागकर पढ़ रहा होता और वे आँखें बंद कर सामने बैठे होते। सोहाने को खीज होती कि इस उम्र में इन्हें नींद नहीं आती तो इसका तो खयाल होना चाहिए कि वह जवान है और उसकी आँखों में नींद की कोई कमी नहीं है। उसे इस बात से भी चिढ़ लगती कि आखिर एक ही चीज को बार-बार सुनने में इन्हें मजा क्या आता है! एक-एक ग्रंथ को वह पच्चीस-तीस बार तो पढ़ ही चुका होगा।

उसमें इस पुराण-वाचन से बढ़ती आजिजी के कारण यह विचार अंकुराने लगा था कि अब पोमा सेठ को आखिरी सलाम करके कहीं और चल देना चाहिए। जब माल ही तौलना है तो ऐसे कई सेठ और मिल जायेंगे। वह अपना झोला-झक्कड़ समेटकर फुट लेने का इरादा पुख्ता कर ही रहा था कि तभी एक दिन पोमा की कॉलेज में पढ़ रही बेटी दामिनी ने उसे मुस्कराते हुए अपने करीब बुला लिया। उसने देखा कि उसकी आँखों में सम्मोहन के कुछ डोरे कंपकंपा रहे हैं। वह बोली, 'सोहाने, कब से मैं तुम्हें यह कहना चाह रही थी कि तुम जब रामचरित मानस गाकर पढ़ते हो तो सुर और लय की मिठास सीधे दिल में उतर जाती है। तुम्हारे गाते हुए चेहरे पर एक ऐसी आभा उभर आती है जो तुम्हें और भी सुंदर बना देती है। सच सोहाने, तुम मुझे बहुत अच्छे लगने लगे हो।'

लगा कि उसे एक दुर्लभ खजाना मिल गया। वह समझ रहा था कि निरर्थक ही वह झख मार रहा है। अपना गला और ऊर्जा बर्बाद कर रहा है। मगर इस झख मारने का ऐसा पुरस्कार पाकर उसका तो पूरा हुलिया ही बदल गया।

उसने कहा, 'तुमने तो एक गरीब को अचानक ही बहुत अमीर बना दिया दामिनी। यह दौलत मेरे पास बनी रहे, यही कामना रहेगी।'

वह अब पाठ करने के लिए अपनी मरजी से सुर्खरू रहने लगा, पहले कन्नी काटने की फिराक में लगा रहता था।

पोमा उसे अपने बहुत सारे परिचितों और रिश्तेदारों के पास भी पाठ करने के लिए भेजने लगा। उसका मन भन्ना कर रह जाता। वह कैसे बताये कि उसकी दिलचस्पी सिर्फ इस घर तक ही सीमित है और वह भी इस वजह से कि उसे एक बहुत सुधी श्रोता मिल गयी है। अन्यत्र जाने में उसकी आनाकानी देखकर पोमा ने एकबार उसे जोर से झिड़क दिया।

'अबे गड़ेरी, शुक्र मना साले कि पंडितवाले काम में तेरी कायापलट डिमांड होने लगी है। तेरी तरक्की हो रही है और तू ना-नुकूर कर रहा है? तेरे बाप दादा भेड़ चराते थे, तूं तराजू में इस पलड़ा से उस पलड़ा करते हुए पंडित बन गया और क्या चाहिए? इतनी तेजी से तो सरकारी महकमों में सोर्स वाले को भी प्रोमोशन नहीं मिलता।'

सोहाने को समझ में नहीं आता कि पोमा जिसे तरक्की कह रहा है, क्या वाकई वह तरक्की है! भेड़ पालने और चराने को जिस हिकारत से यह संबोधित कर रहा है, क्या वह पेशेवर पुराण-वाचन से घटिया काम था? इसे मालूम नहीं कि एक गड़ेरिये ने ही चुंबक का आविष्कार किया था और प्रभु यीशु भी एक गड़ेरिया ही थे। प्रवचन करने वाला वह बाबा जो खुद को तत्त्ववेता और ज्ञान मर्मज्ञ कहता है, वस्तुतः एक गड़ेरिया ही है, जिसके पीछे हजारों दोपाया भेड़ें मेंमें करती चली जा रही हैं... उठ तो उठ.... बैठ तो बैठ.... चल तो चल....।

एक दिन पोमा ने उसे दामिनी के साथ काफी घुल-मिलकर बातें करते हुए देख लिया और मामले की गहराई को भांप लिया। उसे किनारे ले जाकर एक कड़ी चेतावनी थमा दी, 'आइंदा अगर तुम्हें दामिनी के साथ बात करते देखा तो उसी दिन यहां से चलता कर दूँगा। तूं साला एक मामूली गड़ेरिया....गीता और मानस पढ़ लेता है तो क्या समझता है तूं हमारी बराबरी का हो गया? खबरदार....तुझ पर अब मेरी कड़ी नजर रहेगी।'

अपनी दीन-हीन हालत पर तड़प कर रह गया सोहाने। दामिनी ने उसकी उदासी को भांपते हुए कहा, 'इस तरह पस्त होने से दुनिया नहीं चलती सोहाने। बंद करो अब तुम तराजू-बटखरे का खेल और अपनी मेधा पहचानो। मुझे प्यार करते हो तो जाओ बन जाओ एक ऐसा गड़ेरिया, जिसके पीछे इसी तरह जमाना चल पड़े। तुम इसी तरह एक ऊंचे आसन पर बैठो और लोग तुम्हारी जय-जयकार करें।'

दामिनी ने जैसे उसकी चेतना को झकझोर कर रख दिया। वहां से वह सीधे स्टेशन की ओर कूच कर गया। कुछ बाबाओं के आश्रम में जाकर झाड़ू-पोछा करते और चिलम चढ़ाते हुए पाखंड दीक्षा प्राप्त कर ली। कुछ बरस बाद वह पोमा के शहर में बाबा अचूकानंद बनकर लौटा। प्रवचन आसन पर उसके बैठते ही उसके चरणवंदन करने के लिए दर्जनों लोग लाइन में खड़े हो गये। इन्हीं में सेठ पोमा ढनढनिया भी था। दामिनी ने उसे पहचान लिया और उसके पैरों में एक जोर की चिकोटी काट कर यह जता दिया कि अब वह सचमुच उससे बहुत खुश है।

BRIEF NEWS

रांची एसएसपी ने छह इंस्पेक्टरों का किया तबादला

RANCHI : रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने छह इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। इससे संबंधित आदेश सोमवार को एसएसपी कार्यालय से जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार राम कुमार वर्मा को बुंडू थाना, विमल किंडो को धुर्वा, आलोक सिंह को अरगोड़ा, अनिल कुमार तिवारी को ओरमांझी और दिग्विजय सिंह को जगन्नाथपुर थाना प्रभारी बनाया गया है जबकि आनंद कुमार मिश्रा को पुलिस केन्द्र रांची में पदस्थापित किया गया है। सभी पुलिस पदाधिकारियों को आदेश दिया गया है कि अविलंब अपने नव पदस्थापन स्थल पर योगदान देकर अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करेंगे।

चेस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगी एसबीयू

RANCHI : भारतीय विवि संघ (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) ने वर्ष 2024-25 के चेस मेन ईस्ट जोन टूर्नामेंट की मेजबानी सरला बिरला यूनिवर्सिटी (एसबीयू) रांची को सौंप जाने की घोषणा की है। इस आशय का पत्र वाईए एंड एस के संयुक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह सेखों ने एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक को प्रेषित किया है। प्रो. पाठक ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही विवि के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, प्रदीप वर्मा (सांसद), प्रभारी कुलपति प्रो. एस. बी. डांडीन ने विवि को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का तीन दिनी संथाल दौरा 19 से

RANCHI : संवाद आपके साथ कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तीन दिवसीय दौरे पर संथाल परगना में जिला अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्षों वरीय नेताओं कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे। इस संबंध में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष 19 सितंबर को 3:00 बजे जामताड़ा, 20 सितंबर को 10:30 बजे दुमका, 3:30 बजे गोड्डा, 21 सितंबर को 11:00 साहिबगंज, 3:00 बजे पाकुड़ जिला के कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे।

जमीन के लिए पैसा लेने वाले परवेज को देने होंगे 12 लाख वापस

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता हिंदपीढ़ी निवासी परवेज आलम की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी क्रिमिनल अपील खारिज कर दी है। सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे की अदालत ने अपीलकर्ता के विरुद्ध दोष सिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की पुष्टि कर दी है। परवेज को न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने 5 जुलाई 2024 को चेक बाउंस के आरोप में दोषी करार देते हुए परवेज आलम को एक साल की सजा सुनाई थी और 12 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

रामगढ़ के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सुनाई थी सजा

आरपीएफ के जवान को फांसी की सजा पर हाईकोर्ट का फैसला रिजर्व

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में रामगढ़ जिले के बरकाकाना रेलवे कॉलोनी में घुसकर 17 अगस्त 2019 की रात परिवार के तीन लोगों की गोली मारकर हत्या व दो लोगों को जख्मी करने मामले में फांसी की सजा पाए अभियुक्त पवन कुमार सिंह की सजा के खिलाफ क्रिमिनल अपील एवं राज्य सरकार द्वारा फांसी को कंफर्म करने वाली अपील की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

सीआरपीएफ जवान पवन कुमार सिंह को रामगढ़ के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 16 मार्च, 2023 को सजा सुनाई थी। अदालत ने पवन को धारा 302 के तहत फांसी की सजा सुनाई। इसके साथ धारा 307 में 10 साल कारावास और आर्म्स एक्ट में सात साल कारावास की सजा के साथ दोनों ही धाराओं में 10-10 हजार का जुर्माना भी लगाया। मामले में पूर्व डीएसपी संजीव कुमार बेसरा और मेदांता के चिकित्सक के अलावे सभी 16 की गवाही हुई थी। आरपीएफ जवान रहे पवन कुमार सिंह रोज रेल कर्मी अशोक राम के घर से दूध लेने आता था। 17 अगस्त, 2019 की रात 9:00 बजे वह अशोक राम के घर दूध लेने गया था। विवाद होने पर उसने अशोक राम समेत परिवार के पांच लोगों को गोली मार दी थी। गोली लगने से अशोक राम व उसकी पत्नी लीला देवी और उनकी गर्भवती पुत्री वर्षा देवी उर्फ मीना देवी की मौत हो गयी थी जबकि बेटी सुमन देवी तथा पुत्र संजय राम गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना को अंजाम देने के बाद जवान आरपीएफ के बैरक में गया था। हत्या में इस्तेमाल की गयी सरकारी पिस्टल को वह बैरक में ही छोड़कर भाग गया था, पुलिस ने घटना में प्रयुक्त उसके हथियार को बरामद कर लिया था।

बार काउंसिल को मिली जगह, जल्द खुलेगा एक्सटेंशन ऑफिस

झारखंड हाईकोर्ट में स्टेट बार काउंसिल का एक्सटेंशन ऑफिस जल्द ही खुलेगा। स्टेट बार काउंसिल के एक्सटेंशन ऑफिस के लिए हाईकोर्ट ने जगह उपलब्ध करा दी है। हाईकोर्ट के दूसरे टाइपिस्ट ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर पर एक्सटेंशन ऑफिस के लिए जगह उपलब्ध कराया गया है। एक्सटेंशन ऑफिस खुलने से हाईकोर्ट के वकीलों को काउंसिल से जुड़े काम कराने में काफी सुविधा होगी। स्टेट बार काउंसिल के लिए जो जगह हाईकोर्ट ने दी है, उसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई है।

हाईकोर्ट हो या सिविल कोर्ट जज यह सुनिश्चित करें कि केस का जल्द से जल्द हो निपटारा : चीफ जस्टिस

झारखंड हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने सोमवार को एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मौखिक कहा कि उन्होंने रांची सिविल कोर्ट का हाल के दिनों में एक आम व्यक्ति के रूप में जायजा लिया था। इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव का जिक्र करते हुए हाई कोर्ट में उपस्थित वकीलों को बताया कि रांची सिविल कोर्ट में दोपहर 4.30 बजे तक लगभग सभी कोर्ट रूम खाली जाते हैं। रांची सिविल कोर्ट में चार-पांच जजगण ही उन्हें दोपहर 4.30 के बाद भी काम करते दिखे थे। निरीक्षण के दौरान रांची सिविल कोर्ट के एक कोर्ट रूम में उन्होंने कोर्ट की कार्यवाही की प्रक्रिया भी बैठकर देखी थी। सिविल कोर्ट में उस दिन वे बिना बॉडीगार्ड एवं बिना सूचना दिए गए थे ताकि रांची सिविल कोर्ट में कोर्ट की वास्तविक स्थिति देख सके। सिविल कोर्ट में जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारी समेत कई अधिवक्ताओं ने भी उन्हें नहीं पहचाना था। एक्टिंग चीफ जस्टिस ने मौखिक कहा कि हाई कोर्ट एवं सिविल कोर्ट में सभी जजों को अपने निर्धारित समय पर जरूर बैठना चाहिए और त्वरित ढंग से केस का निष्पादन करना चाहिए।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को पलामू जेल में किया गया शिफ्ट

- जेल में बंद रहते कारोबारियों से लगातार मांग रहा था लेवी
- एनआइए ने 21 मई 2023 को दिल्ली से किया था अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप को रांची से पलामू जेल में शिफ्ट किये जाने की खबर है। सोमवार की सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिनेश गोप को जेल में शिफ्ट किया गया है। सूत्रों के अनुसार रांची जेल में बंद रहकर भी वह कारोबारियों से लेवी मांगने का काम कर रहा था। जिसके बाद जेल प्रशासन ने उसे दूसरे जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया।

बता दें कि दिनेश गोप को एनआइए ने 21 मई 2023 को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। उसे ट्रांजिट रिमांड पर विमान से रांची लाया गया था दिनेश गोप के खिलाफ झारखंड, बिहार और ओडिशा में हत्या, अपहरण, धमकी, जबरन वसूली और पीएलएफआइ के लिए धन जुटाने से संबंधित 102 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। झारखंड पुलिस द्वारा दिनेश गोप पर 25 लाख और एनआइए की ओर से पांच लाख कुल 30 लाख इनाम घोषित था। एनआइए ने 22 मई 2023 को दिनेश गोप को कोर्ट में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दिनेश गोप को आठ दिनों के रिमांड पर एनआइए को सौंपा था। पूछताछ के दौरान एनआइए ने दिनेश गोप की निशानदेही पर कई हथियार और गोलियां बरामद किये थे।

जेबीवीएनएल ने शुरू की बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया

RANCHI : कैबिनेट में पारित प्रस्ताव के बाद झारखंड बिजली वितरण निगम ने बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत जेबीवीएनएल ने योजना का प्रचार-प्रसार भी करना शुरू कर दिया है। निगम की मानें तो मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाल योजना के तहत उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ किया जा रहा है। इसके तहत उपभोक्ताओं का बिजली बिल माफ किया जायेगा। उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाने के लिये किसी तरह का आवेदन नहीं भरना है। सिर्फ उपभोक्ताओं को अपने नजदीकी बिजली कार्यालय में जाकर संबंधित अधिकारी से मिल कर इसकी जानकारी देनी होगी। जेबीवीएनएल ने लोगों से अपील की है कि इस योजना का लाभ लेने के लिये लोगों को किसी भी दलाल के चक्कर या आवेदन भरने की जरूरत नहीं है। बिजली कार्यालय के माध्यम से लोग इसकी जानकारी ले सकते है।

नगर आयुक्त ने पंचशील नगर का किया निरीक्षण

जल-जमाव का निरीक्षण करते नगर आयुक्त संदीप सिंह। ●फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : लगातार हो रही भारी वर्षा से रांची नगर निगम के कई क्षेत्रों में जल-जमाव की स्थिति बन गई। जिसे लेकर आम नागरिकों ने नगर आयुक्त संदीप सिंह को वार्ड 33 में पंडरा रोड स्थित पंचशील नगर में जल-जमाव की समस्या से अवगत कराया गया। सोमवार को नगर आयुक्त ने पंचशील नगर में जल जमाव की स्थिति का निरीक्षण संबंधित टीम के साथ किया। नगर आयुक्त ने निगम के अभियताओं को भविष्य में उक्त क्षेत्र में जल-जमाव ना हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करना का निर्देश दिया। साथ ही शांति नगर एवं पंचशील नगर के कनेक्टिंग नालियों को साफ करते हुए पानी के बहाव के लिए रास्ता बनाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही स्वच्छता शाखा की टीम को लगातार नालियों की सफाई करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद नगर आयुक्त ने रांची नगर निगम की टीम को पूरे निगम क्षेत्र का भ्रमण कर, जहां कहीं भी जल-जमाव की स्थिति उत्पन्न हुई हो, उसे त्वरित ठीक करने का निर्देश दिया। मौके पर नगर प्रबंधक, निगम के अभियंता, जोनल सुपरवाइजर, वॉर्ड सुपरवाइजर उपस्थित थे।

सुदेश महतो को लेकर वायरल हो रहा पोस्ट

RANCHI : आजसू सुप्रीमो और सिल्ली विधायक सुदेश महतो को उन्हीं के इलाके सिल्ली में घेरने की रणनीति चल रही है। जेबीकेएसएस से जुड़े राजू सिल्ली नामक युवक ने एक पोस्ट डाला है। जिसमें लिखा है कि 25 साल कम नहीं होते। सात सालों तक जल संसाधन विभाग मंत्रालय, फिर भी सिल्ली के किसानों को पलायन करना पड़ रहा है? राढ़ू डैम और जलाशयों का निर्माण नहीं होने के लिए कौन है जिम्मेदार? इस पोस्ट के साथ एक गाना भी चलाया जा रहा है, जिसके बोल हैं- दुनिया भर को धोखा देकर कोई नहीं बच पायेगा। इस पोस्ट को 1.2 हजार व्यूज मिल चुके हैं। जिस व्यक्ति ने यह पोस्ट किया है, उसका परिवार कभी आजसू से जुड़ा रहा था। उसके परिवार ने महिला आजसू में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायी, लेकिन अब वह जेबीकेएसएस से जुड़ गया है।

झारखंड की सभ्यता व संस्कृति अनूठी : केशव

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो को सम्मानित करते प्राचार्य। ●फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची के संत जेवियर महाविद्यालय में करमा सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने करमा आधारित नृत्य प्रस्तुत किया। मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की सभ्यता और संस्कृति अनूठी और अतुलनीय है। समृद्ध परंपरा का पालन करने वाली यहां की संस्कृति में प्रकृति के प्रति प्रेम को नृत्य के द्वारा दर्शाना झारखंडी संस्कृति को जीवंत बनाता है। झारखंड में चलना बोलना सभी नृत्य को इंगित करते हैं। करमा का पर्व भाई-बहन और प्रकृति से प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह पूरे देश के मानचित्र पर अव्वल है। इस दौरान बंधु तिर्की ने प्रोत्साहन राशि के रूप में एक लाख रुपये दिए। कार्यक्रम में इंटरमीडिएट कॉलेज के प्राचार्य अजय तिर्की सहित अन्य कई लोग उपस्थित थे।

झारखंड में सत्ता परिवर्तन के साथ रोटी, माटी व बेटी बचाने का संकल्प : मरांडी

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में सत्ता परिवर्तन के साथ रोटी ,माटी और बेटी बचाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग पांच वर्षों से ठगबंधन सरकार ने झारखंड की स्वाभिमान, अस्मिता और पहचान को चोट पहुंचाया है। झारखंड के लोगो की पहचान ईमानदारी, सच्चाई और परिश्रम से है लेकिन हेमंत सरकार ने आज झारखंड को देश और दुनिया में बदनाम कर दिया है। झारखंड की पहचान लूट-खसोट, भ्रष्टाचार, नोटों के पहाड़ से हो गई है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने केवल खान, खनिज, जमीन को नहीं लूटा, बल्कि केंद्र सरकार की नल जल योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दी। यह सरकार बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की संरक्षक बन गई है। घुसपैठियों के कारण राज्य की डेमोग्राफी में अप्रत्याशित बदलाव आया है।

मंईयां योजना की हकीकत बताने घर-घर जाएंगी भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता

बैठक में शामिल भाजपा महिला मोर्चा की सदस्य। ●फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने महिला विंग को हेमंत सरकार के मंईयां योजना से पड़ने वाले प्रभाव को निष्प्रभाव बनाने की जिम्मेदारी दी है। सोमवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश महिला मोर्चा की कार्यसमिति की बैठक हुई। जिसे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी सहित कई ने संबोधित किया।

इस मौके पर बाबूलाल मरांडी ने महिलाओं को घर घर जाकर केन्द्र सरकार के द्वारा महिलाओं के लिए किए गए कार्यों और हेमंत सरकार के मंईयां योजना की अंदरूनी सच्चाई से अवगत कराने का आह्वान किया। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि भाजपा की महिला बहनें घर घर जाकर राज्य में कमल खिलाने के लिए अपनी ताकत झोंकने का काम करेंगी। आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान करेंगी। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में महिलाओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में हेमंत सरकार को हटाकर सुशासन की सरकार लाने का संकल्प लिया। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि महिला बहनें घर घर जाएंगी और महिलाओं को प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है 5 साल में जितनी भी योजनाएं बनाई गयी हैं सभी की सभी में इस सरकार ने झूठ बोलने का काम किया है।

दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा, पीड़ित परिवार के साथ खड़ा हूं : संजय सेठ

RANCHI : रांची के डोरंडा के रविदास मोहल्ले के इंजीनियरिंग के छात्र अभिषेक रवि की ओड़िशा में मौत हो गई। पीड़ित परिवार से सोमवार को सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने डोरंडा रविदास मुहल्ला स्थित निवास पर जाकर मुलाकात की। मृतक अभिषेक रवि के पिता अनुपचंद राम ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि अभिषेक की मौत आईटीआर इंजीनियरिंग कॉलेज में सीढ़ी से गिरने हुई है। लेकिन मेरे बेटे की रैगिंग कर उसकी हत्या की गई है और कॉलेज प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन मिलिभगत से हत्या को दुर्घटना में बदलने की कोशिश में लगी हुई है। रक्षा राज्यमंत्री ने तत्काल भुनेश्वर में संपर्क कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

दो पक्षों में सिविल कोर्ट में चल रहा केस फिर भी जमीन पर होने लगा निर्माण कार्य

- टाटी सिलवे थाने में रैयत की शिकायत के बावजूद नहीं उठाया गया कोई कदम

PHOTON NEWS RANCHI : टाटी सिलवे क्षेत्र में खाता संख्या 187 प्लॉट संख्या 1147 को लेकर दो पक्षों के बीच सिविल कोर्ट रांची में टाइटल केस नंबर 601/2024 मुकदमा चल रहा है। आदर्श नगर में स्थित भूमि पर दो पक्षों के बीच विवाद है। रैयत एवं उनके वंशजों का कहना है कि फर्जी नीलाम पत्र बनाकर कुछ जमीन दलाल बेच रहे हैं। टाटी सिलवे थाना को जानकारी देने के बावजूद किसी तरह का सकारात्मक कदम नहीं उठाया है। उल्टे डरा-धमका कर जेल भेज देने की धमकी देता है। जमीन दलाल को साथ देने का काम पुलिस प्रशासन के लोग कर रहे हैं। रैयत बालक महतो का परिवार का कहना है, कुछ आदर्श नगर के जमीन दलाल आपराधिक छवि के लोगों को साथ में मिलकर अगवा करने की धमकी,मारपीट एवं भयादोहन करते हैं। थाना भी मौन रहता है ' पिछले कई महीने से टाटीसिल्वे थाना की गतिविधि संदिग्ध रही है ' वहीं कई महीनों से रांची रिकॉर्ड रूम में स्थित खतियानों एवं दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ कर भूमि का नेचर बदल दिया जा रहा है ' लगातार शिकायत करने के बाद भी किसी तरह का ठोस पहल नहीं हुआ है। अंचल कार्यालय के भी अधिकारी जानबूझकर दाखिल-खारिज कर विवाद को बढ़ावा देने का काम करते हैं।

जेएसएससी की वेबसाइट पर आज जारी कर दिए जाएंगे प्रवेश पत्र, अभ्यर्थी कर सकते हैं डाउनलोड

21 व 22 सितंबर को होगी सीजीएल परीक्षा, तैयारी पूरी

PHOTON NEWS RANCHI : विवादों के बीच एक बार फिर राज्य झारखंड कर्मचारी चयन आयोग स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित करने जा रही है। सीजीएल परीक्षा आगामी 21 और 22 सितंबर को रांची, बोकारो समेत राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित की जाएगी, जिसके प्रवेश पत्र 17 सितंबर को आयोग के वेबसाइट पर जारी कर दिए जाएंगे, जहां से अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने अभ्यर्थियों के रजिस्टर्ड मोबाइल पर मैसेज भेजकर परीक्षा केंद्र और परीक्षा तिथि के साथ प्रवेश पत्र कब और कैसे मिलेगा, इस संबंध में सूचना जारी की है।

इस परीक्षा में करीब 6.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन कर रखा है, जिसके लिए व्यापक इंतजाम किया गया है। इससे पहले इस साल 28 जनवरी और 4 फरवरी को परीक्षा आयोजित होनी थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक होने के कारण यह परीक्षा विवादों में आ गई। इस विवाद की वजह से आयोग के अध्यक्ष को इस्तीफा तक देना पड़ा। गौरतलब है कि यह एक ऐसी परीक्षा है जिसकी राज्य में 2015 से लगातार वैकेंसी निकाली जा रही है लेकिन दुर्भाग्य अभी तक पूरी नहीं हो सकी। यह नियुक्ति विज्ञापन अब तक पांच बार निकाला जा चुका है। 2015 से शुरू हुई स्नातक स्तरीय पदों के लिए भर्ती अब तक कई वजह से रद्द होती रही है। 2015 में निकाले गए विज्ञापन में कई तरह की त्रुटि होने की वजह से झारखंड हाईकोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था। इसके बाद 2019 में एक बार फिर नए सिरे से विज्ञापन जारी किया गया। हालांकि 2015 में फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों को इसमें मौका जरूर दिया गया लेकिन झारखंड के मैट्रिक इंटर पास अनिवार्य किए जाने की वजह से इस पर एक बार फिर ग्रहण लगा और इसे रोक दिया गया।

विवाद बढ़ता देख सरकार ने गठित की एसआईटी

2021 में एक बार फिर नया विज्ञापन निकाला गया, लेकिन झारखंड हाईकोर्ट से नियोजित नीति रद्द होने की वजह से इसे रद्द करना पड़ा। चौथी बार जून 2023 में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने इस विज्ञापन को निकाला, जिसकी परीक्षा पहले 15 और 16 अक्टूबर को होनी थी, लेकिन यह टल गई और 16-17 दिसंबर को इसे निर्धारित किया गया। लेकिन प्रक्रिया पूर्णनहीं होने की वजह से परीक्षा नहीं हो सकी। आयोग ने फिर से 28 जनवरी और 4 फरवरी को परीक्षा लेने की तैयारी की, लेकिन प्रश्न पत्र लीक होते ही आयोग की सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। प्रश्न पत्र लीक होने के बाद विवाद बढ़ता देख सरकार ने एसआईटी गठित की, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक नहीं सौंपी गई है। इधर, परेशान छात्र सरकार से एसआईटी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग करते है। बहरहाल आयोग ने 21 और 22 सितंबर को परीक्षा आयोजित करने की तैयारी पूरी करने का दावा किया है।

लापता युवती को खोजने धुर्वा डैम पहुंची एनडीआरएफ

RANCHI : नगड़ी थाना क्षेत्र के धुर्वा डैम में एक युवती के कूदकर खुदकुशी करने की आशंका के मद्देनजर सोमवार को एनडीआरएफ ने युवती की तलाश शुरू कर दी है। रविवार को युवती का चप्पल और स्कूटी डैम के फाटक के पास से नगड़ी पुलिस ने बरामद किया है। इसे लेकर सोमवार को एनडीआरएफ की टीम धुर्वा डैम पहुंचकर युवती के शव की तलाश कर रही है। बताया गया कि युवती धुर्वा की रहने वाली है और रविवार की अहले सुबह अपने घर से बिना किसी को कुछ बताए स्कूटी लेकर निकली थी। इसके बाद युवती कहां गयी किसी को कुछ पता नहीं चला। घर से निकलने की जानकारी होते ही परिजन उसे आसपास खोजने लगे। खोजते हुए जब वे डैम की ओर गए, तो उन्हें युवती की चप्पल और स्कूटी खड़ी मिली।

आज मनाई जाएगी अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा

PHOTON NEWS RANCHI : अनंत चतुर्दशी और विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर को मनाया जाएगा। इस वर्ष भगवान विश्वकर्मा पूजा रवि योग में 17 सितंबर को है। इस दिन भगवान विश्वकर्मा को कई प्रकार के अस्त्र-शस्त्र से सुशोभित किया जाएगा और पूजा-अर्चना की जाएगी। लोग अपने ऑफिस, कारखानों, मशीनों, औजारों और वाहनों की भी पूजा करेंगे।

इससे जीवन में सुख-समृद्धि, व्यापार में उन्नति आदि का शुभ फल प्राप्त होगा। पंडित मनोज पांडेय ने सोमवार को बताया कि इस दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है और इस योग में पूजा करने से सभी कार्यों में तरक्की मिलेगी। भगवान विष्णु और शिल्पकार विश्वकर्मा के एक साथ आने का संयोग बहुत ही दुर्लभ होगा। साथ ही अनंत चतुर्दशी होने से इस दिन का महत्व कई गुणा अधिक हो जाएगा। भगवान विश्वकर्मा देव लोक के वास्तुकार और शिल्पकार हैं। शास्त्रों के अनुसार भगवान विश्वकर्मा ने भगवान शिव का त्रिशूल और विष्णु जी का सुदर्शन चक्र बनाया था। इसलिए इस दिन शस्त्रों की पूजा-अर्चना की जाती है। यह व्रत भगवान विष्णु के अनंत स्वरूपों को समर्पित है।

समाचार सार

पोस्टर-बैनर फाड़ने से भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित परिवर्तन महारैली के दूसरे दिन सोमवार को भाजपा व पीएम की तस्वीर वाले बैनर-पोस्टर फाड़ दिए गए, जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं में रोष है। साकची और बिस्टुपुर के मध्य स्ट्रेट माइल रोड, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, कीनन स्टेडियम मार्ग सहित गोपाल मैदान के पास मेन रोड पर ये पोस्टर फाड़े गए हैं। इस पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार ने वरीय पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर से फोन पर शिकायत की। उनसे अविलंब इस मामले में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई का अनुरोध किया। दिनेश कुमार ने अपने एक्स अकाउंट पर भी इस मामले को उठाते हुए पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता समेत जमशेदपुर एसपी एवं अन्य वरीय अधिकारियों से कार्रवाई का आग्रह किया है। एसएसपी ने मामले की जांच और कार्रवाई का भरोसा दिया है।

टाटा जू में आया एक जोड़ा जेब्रा

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील जूलोजिकल पार्क में एक जोड़ा जेब्रा और पांच जोड़ा पक्षी लाया गया है। इसे मंगलवार को लोगों के बीच प्रदर्शित किया जाएगा। इस दौरान चिड़ियाघर में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम भी प्रारंभ होगा, जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भी शुरूआत की जाएगी। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जमशेदपुर के वन प्रमंडल पदाधिकारी सबा आलम अंसारी उपस्थित रहेंगे।

अमेजन व फ्लिपकार्ट के खिलाफ कार्रवाई की मांग

JAMSHEDPUR : कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री सुरेश सोंथालिया ने अमेजन व फ्लिपकार्ट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखी है। सोंथालिया ने सीसीआई की जांच रिपोर्ट को वैश्विक नियामक इतिहास में एक ऐतिहासिक मामला बताया है, क्योंकि फ्लिपकार्ट और अमेजन को खुलेआम प्रतिस्पर्धा-विरोधी कानूनों का उल्लंघन करते पाया गया है। सोंथालिया ने सोमवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप और घरेलू खुदरा व्यापारियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

मानगो में बुजुर्ग महिला का मकान ढहा

JAMSHEDPUR : शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण सोमवार को मानगो के दाईगुट्ठू में एक बुजुर्ग महिला गनेशी देवी का मकान अचानक ढह गया। उनके घर का सारा सामान भी बारिश से खराब हो गया। भाजपा मानगो मंडल अध्यक्ष विनोद राय ने इसकी सूचना भाजपा, व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नीरज सिंह को दी। उन्होंने तत्काल महिला के घर पहुंच कर छत ढंकने के लिए बड़ा तिरपाल उपलब्ध कराया। पड़ोस से पता चला कि महिला अकेली रहती है। उनके घर पर कोई सदस्य नहीं है। सिंह ने गनेशी देवी को भरोसा दिया कि जल्द से जल्द नगर निगम के अधिकारी से बात कर उन्हें प्रधानमंत्री योजना के तहत मकान का लाभ दिलाया जाएगा। इस मौके पर नित्यानंद सिन्हा, नीलकमल शेखर, सौरभ सिंह, सुशील पांडेय, राजा राय, ऋषभ सिंह, सुमित आदि मौजूद रहे।

बच्ची से अश्लील हरकत करने के मामले में एक धराया

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना क्षेत्र में एक 4 साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले को पुलिस ने पकड़ा है। इधर पुलिस द्वारा मामला दर्ज नहीं करने से गुस्साए स्थानीय लोग गोलमुरी थाना पहुंचे और प्राथमिकी दर्ज करवाया। वहीं परिजन अन्य लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। बता दे कि शुक्रवार शाम बच्ची बाल्टी लेकर पानी भरने के लिए गई थी। इसी बीच बस्ती के ही एक युवक ने बच्ची को पकड़ने का प्रयास किया पर बच्ची हाथ छुड़ाकर भाग गई। रात में बच्ची अचानक डर गई और छाती में दर्द होने की बात कहते हुए रोने लगी। बाद में बच्ची ने बताया कि उसके साथ गलत करने का प्रयास किया गया था।

उलीडीह में तीन चोर धराए

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के उलीडीह थाना अंतर्गत कालिकानगर में चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मानगो रोड नंबर 13 बी निवासी मो अरसद अंसारी, रोड नंबर 6 निवासी मो सोहेल उर्फ टेन और अबू सानन शामिल है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार आरोपियों ने 14 सितंबर को कालिकानगर के एक घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस मंगलवार को आरोपियों को जेल भेजेगी।

बस स्टैंड के पास व्यक्ति से मोबाइल की छिनतई

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बस स्टैंड आश्रय गृह के पास मानगो शंकोसाई निवासी विनोद पोद्दार से दो अज्ञात ने मोबाइल और पर्स की छिनतई कर ली। घटना 14 सितंबर की है। मामले को लेकर विनोद ने सीतारामडेरा थाना में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। विनोद ने पुलिस को बताया कि वे बस स्टैंड के पास खड़े थे। तभी दो युवक आए और उनकी जेब से मोबाइल और पर्स की छिनतई कर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टाटा-पटना वंदेभारत का कल से होगा नियमित परिचालन

5 दिन बोकारो व एक दिन बरकाकाना-डाल्टेनगंज-गढ़वा रोड होते हुए चलेगी

PHOTON NEWS JSR: टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस 18 सितंबर से नियमित चलेगी। रेलवे ने सूचना जारी करते हुए बताया कि ट्रेन नंबर-20893/20894 18 सितंबर से नियमित चलेगी, इसका रूट चांडिल-मुरी- बोकारो-गोमो-पारसनाथ-कोडरमा-गया होते हुए पटना रहेगा।

ट्रेन-20893 बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार सुबह 5.30 बजे टाटानगर से खुलेगी जो कि 12.45 बजे पटना पहुंचेगी। वही दूसरी ओर पटना से ट्रेन-20894 बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार को दोपहर 2.15 बजे खुलेगी जो कि रात 9.30 बजे टाटानगर पहुंचेगी।

पटना से रविवार को ट्रेन शाम 4.45 बजे खुलेगी : वहीं 23 सितंबर से प्रत्येक सोमवार को ट्रेन नंबर-21895 वंदेभारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को निर्धारित चांडिल, मुरी, बोकारो, कोड़रमा,गया वाले रूट से चलेगी, जो कि सुबह 5.30 बजे खुलेगी, 12.45 बजे पटना पहुंचेगी। दूसरी ओर 22 सितंबर से ट्रेन नंबर- 21896 प्रत्येक रविवार को पटना से शाम को 4.45 बजे खुलेगी जो रात 11.55 बजे पहुंचेगी।

टाटा-पटना वंदेभारत का इतना होगा किराया

	चेयर कार	एग्जीक्यूटिव क्लास
टाटा से चांडिल	485	845
टाटा से मुरी	565	1015
टाटा से बोकारो	655	1195
टाटा से गोमो	705	1300
टाटा से पारसनाथ	740	1370
टाटा से कोडरमा	865	1620
टाटा से गया	985	1855
टाटा से पटना	1115	2130

रविवार को पटना जाने में लगेगा ज्यादा समय

वहीं ट्रेन नंबर- 21893 22 सितंबर से प्रत्येक रविवार को सुबह - 5.30 बजे खुलेगी, यह ट्रेन अलग रूट से चलेगी। यह ट्रेन टाटा, चांडिल, मुरी, बरकाकाना, डाल्टेनगंज, गढ़वा रोड़, सोननगर, गया होते हुए पटना पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 सितंबर से प्रत्येक सोमवार दोपहर 3.55 बजे पटना पहुंचेगी। वहीं दूसरी ओर प्रत्येक सोमवार को ट्रेन नंबर-21894 पटना से दोपहर 1.20 बजे खुलेगी जो कि रात 11.55 बजे टाटानगर पहुंचेगी। रविवार के दिन टाटा से पटना जाने में यात्रियों को करीब एक घंटे ज्यादा समय लगेगा।

पीएम के कार्यक्रम से लौट रही बस दुर्घटनाग्रस्त, दर्जनों घायल

अस्पताल में घायल यात्री

CHAIBASA : जमशेदपुर में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से लौट रही भाजपा कार्यकर्ताओं से भरी बस रविवार रात चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बरकुंडीया गांव के समीप तेरगो नदी के पुलिया से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस पर सवार दर्जनों लोग जख्मी हो गए। बाद में उन्हें इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया। सोमवार को सुबह पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा सूचना मिलने पर सदर अस्पताल, चाईबासा जाकर घायल कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका हाल-चाल जाना, एवं आवश्यक मदद की भी बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता के हर सुख-दुख में पार्टी साथ खड़ी है, घायल कार्यकर्ताओं को हर तरह की मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से ऑन ड्यूटी रेलकर्मी की दर्दनाक मौत

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल के पास हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग के मनोहरपुर के पास घाघरा और सोनपोखरी गांव के बीच एक रेलकर्मी की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। यह घटना सोमवार सुबह उस वक्त की है, जब रेलकर्मी ड्यूटी पर था और रेल पटरियों की जांच कर रहा था। इस घटना के बाद मौके पर सहकर्मी पहुंचे और घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों तक पहुंचाई है। मृतक रेलकर्मी की पहचान 54 वर्षीय धनेश्वर महतो के रूप में की गई है। धनेश्वर महतो चक्रधरपुर रेल मंडल में की-मैन के पद पर कार्यरत था। धनेश्वर महतो मूल रूप से मनोहरपुर का ही रहने वाला बताया जा रहा है। धनेश्वर महतो कैसे ट्रेन की चपेट में आया, इसकी जानकारी अब तक स्पष्ट रूप से नहीं मिल पाई है।

केयू के पूर्व कुलपति प्रो. गंगाधर पांडा का निधन

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) गंगाधर पांडा का रविवार देर रात निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे। प्रो. पांडा एक शिक्षाविद और कुशल प्रशासक थे। उन्होंने कोल्हान विश्वविद्यालय के विकास में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 20 मई 2020 को कोल्हान विश्वविद्यालय में पांचवें कुलपति के रूप में योगदान किया था। सेवानिवृत होने के पश्चात वे स्थानीय नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी में कुलपति के रूप में मार्गदर्शन कर रहे थे। डॉ. पांडा ने वर्ष 1980 में व्याख्याता के रूप में अपने कॅरियर की शुरूआत की थी। उसके बाद वर्ष 1992 में लोक सेवा चयन आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगिता परीक्षा पास की और केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय में उप शैक्षिक सलाहकार के पद पर योगदान किया। प्रो. पांडा की तीन दर्जन से अधिक किताबें और चार दर्जन से अधिक शोधपत्र प्रकाशित थे। उनके निधन पर जमशेदपुर समेत पूरे कोल्हान के प्रचार्यों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं शिक्षाविदों ने शोक जताया है।

डॉ. गंगाधर पंडा की फाइल फोटो

पंप में पेट्रोल की जगह पानी निकलने पर हंगामा

JAMSHEDPUR : घाटशिला के कॉलेज रोड स्थित शाकंभरी फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर सोमवार की शाम पेट्रोल में पानी मिलाने की शिकायत के बाद लोगों ने जोरदार हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन डे, अंचल अधिकारी निशांत अंबर और अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पेट्रोल में बड़ी मात्रा में पानी की मिलावट पाई गई। पेट्रोल पंप के संचालक पवन अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे और सिस्टम की खराबी की बात स्वीकार की। बता दें। यह मामला तब सामने आया जब मुसाबनी निवासी जयंत पांडा ने अपने दोपहिया वाहन में 210 रुपये का पेट्रोल भरवाया, लेकिन पेट्रोल पंप से थोड़ी दूर जाते ही उनकी गाड़ी बंद हो गई। स्टार्ट करने की कई कोशिशों के बाद भी जब गाड़ी चालू नहीं हुई, तो मैकेनिक को बुलाया गया। मैकेनिक ने जब गाड़ी की जांच की, तो पेट्रोल की जगह पानी पाया गया।

टाटा कमिंस में पूजे गए भगवान विश्वकर्मा, शहर में आज रहेगी धूम

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में विभिन्न धर्मों और प्रांतों के लोग एक साथ रहते हैं, इसलिए यहां देशभर के विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहार बड़े धूमधाम से मनाए जाते हैं। शहर के टाटा कमिंस कंपनी में सोमवार को ही विश्वकर्मा पूजा हो गई, जबकि टाटा मोटर्स और टाटा स्टील में मंगलवार को विश्वकर्मा पूजा मनाई जाएगी। साकची में बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड और बिजली विभाग में पंडाल बनाकर विशेष तैयारी भी की गई है। इन जगहों पर छोटे-छोटे पंडालों में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति स्थापित कर पूजा की जाएगी। विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा अवसर है जिसमें सभी धर्मों और जातियों के लोग एकजुट होकर भाग लेते हैं। विश्वकर्मा पूजा के दौरान हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सहित अन्य धर्मों के लोग बिना किसी भेदभाव के शामिल होते हैं। हिंदू उन्हें देवता के रूप में पूजते हैं, जबकि अन्य धर्मों के लोग उन्हें शिल्प गुरु के रूप में सम्मान देते हैं। विश्वकर्मा पूजा को लेकर शहर में तैयारी पूरी हो चुकी है।

पटमदा व बोड़ा में कई कच्चे मकान ढहे

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में लगातार हो रही भारी बारिश पटमदा एवं बोड़ाम प्रखंड के विभिन्न गांवों में गरीब परिवारों के लिए मुसीबत का कारण बनती जा रही है। रविवार की शाम करीब 5 बजे पटमदा के आगुईडांगरा गांव में गिरिजा प्रसाद दास और बोड़ाम थाना क्षेत्र के चुनीडीह गांव में सोनू कर्मकार का मकान ढह गया। इस संबंध में बुद्धेश्वर दास ने बताया कि जिस घर में वे लोग खाना बनाते थे, उसमें बारिश के कारण मिट्टी की दीवार गिर गई, जिससे टाली की छत भी गिर गई। वहीं, बोड़ाम थाना क्षेत्र के चुनीडीह गांव में सोनू कर्मकार के फूस का मकान भारी बारिश के कारण ध्वस्त हो जाने से वह बेघर हो गए हैं। परिवार में उनके माता, पिता, पत्नी व एक बेटा समेत 5 सदस्य हैं जो पड़ोस के शिवानी कर्मकार के घर में शरण लिए हुए हैं। इस संबंध में युवा आजसू नेता चित्तरंजन महतो ने बताया कि सोनू का परिवार बहुत ही गरीब है इसलिए इस साल मकान की मरम्मत भी नहीं करवा सके और लगातार बारिश के कारण उनके समक्ष बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

राष्ट्रव्यापी संकल्प यात्रा पहुंची जमशेदपुर

विहंगम योग संत समाज के साधकों को विज्ञानदेव महाराज ने दिए आशीर्वचन

PHOTON NEWS JSR : विहंगम योग संत समाज के शताब्दी समारोह महोत्सव एवं 25000 कुण्डीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित्त संत प्रवर विज्ञान देव महाराज ने 7 जुलाई को संकल्प यात्रा का शुभारंभ कन्याकुमारी से किया था, जो दक्षिण भारत के सभी राज्यों के विभिन्न शहरों के पश्चात छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, बिहार के बाद झारखंड के गढ़वा, डालटनगंज, लातेहार, गुमला, रांची के बाद आज जमशेदपुर में पहुंच चुकी है। इस अवसर पर स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक संत प्रवर विज्ञान देव जी महाराज ने संकल्प यात्रा के क्रम में साकची स्थित रवींद्र भवन में आयोजित जय स्वर्वेद कथा एवं ध्यान साधना सत्र में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के मध्य व्यक्त किए।जीवन मे आध्यात्मिक ज्ञान की अत्यंत अनिवार्यता है,जिसके आलोक में एक साधक का जीवन सर्वोन्मुखी विकास होता है। भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध है जिसने विरासत के रूप में आध्यात्मिकता को मानव कल्याण के लिए सहज रूप में प्रदान किया है, जो धर्म से लेकर मोक्ष की यात्रा कराती है। जो विश्व की आदि संस्कृति, विश्ववारा संस्कृति है। धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की चतुःसूत्री ही भारतीय संस्कृति का आधार है। महाराज ने कहा कि भीतर की अनंत शक्ति का सच्चा ज्ञान स्वयं को जानने से होता है। आंतरिक शांति के अभाव से ही आज विश्व मे अशांति है। उन्होंने जय स्वर्वेद कथा के क्रम में कहा कि भारत की आत्मा का नाम अध्यात्म है। आध्यात्मिक महापुरुषों के बदौलत ही भारत विश्व गुरु रहा है, विश्वगुरु है और मैं कहता हूं भारत विश्व गुरु रहेगा। कहा कि विश्वगुरु भारत की आध्यात्मिक संस्कृति पूरे विश्व को प्रेम, शांति एवं आनन्द का संदेश देती रही है। हमारी आंतरिक शांति द्वारा ही विश्व-शांति संभव है। दिव्यवाणी के दौरान श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि विहंगम योग के प्रणेता अमर हिमालय योग अनन्त सद्गुरु सदाफलदेव महाराज ने अपनी गहन साधना द्वारा ईश्वर से योग की प्राप्ति की एवं इस अतिदुर्लभ विज्ञान को स्वर्वेद नामक अद्वितीय आध्यात्मिक सद्ग्रंथ द्वारा जनमानस को सुलभ कर दिया।

साकची स्थित रवींद्र भवन में विज्ञानदेव महाराज व उनके शिष्य • फोटोन न्यूज

परिवर्तन संकल्प यात्रा में 2 अक्टूबर को चाईबासा आएंगे नितिन गडकरी

चाईबासा के जिला कार्यालय में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

CHAIBASA : भाजपा के जिला कार्यालय में सोमवार को जिला अध्यक्ष संजय पांडे की अध्यक्षता में परिवर्तन संकल्प यात्रा की तैयारी पर बैठक हुई, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि 2 अक्टूबर को चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में होने वाली रैली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अन्नपूर्णा देवी समेत कई नेता आएंगे। संगठन मंत्री ने निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ से 50 कार्यकर्ता और समर्थक कार्यक्रम में लाए जाएं। पूरे पश्चिमी सिंहभूम जिले में 23 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक परिवर्तन संकल्प यात्रा आयोजित होगी, जिसका समापन गांधी जयंती के दिन केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में चाईबासा में किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई ने भी विचार रखे। मंच पर पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, जवाहरलाल बानरा, शशिभूषण सामड, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद इत्यादि मौजूद थे।

प्रदर्शन के बाद ग्राम सभा तालसा एवं यूसिल प्रबंधन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

यूसिल के टेलिंग डैम के सभी कार्यों को 23 से बंद कराने की चेतावनी

PHOTON NEWS GHATSILA : विस्थापन व पुनर्वास की मांग को लेकर तालसा ग्राम के ग्रामीणों ने सोमवार को यूसिल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसके अंत में ग्राम सभा तालसा द्वारा घोषणा की गई कि हमारी मांगें पूरी नहीं होने पर 23 सितंबर से यूसिल के तालसा टेलिंग डैम के सभी कार्यों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी यूसिल प्रबंधन पर होगी।

इससे पूर्व यूसीआईएल कंपनी जादूगोड़ा के कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को ग्राम सभा तालसा एवं यूसिल प्रबंधन के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के संबंध में तालसा ग्राम सभा से माझी बाबा दुर्गा चरण मुर्मू ने बताया कि ग्राम सभा द्वारा दिए गए 18 सूत्री मांगों पर चर्चा की गई, जिसमें विस्थापितों को नौकरी एवं पुनर्वास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई।

ग्राम सभा के प्रतिनिधियों की ओर से विस्थापित सदस्यों को अविलंब पद सृजित करते हुए अकुशल श्रेणी में नियुक्त करने, डेथ केस, रिटायरमेंट के बाद उनके एक आश्रित को नौकरी, प्रभावित बेरोजगार सदस्यों को ठेकेदार कार्यों में उचित प्रथमिकता देने, मकान से विस्थापित परिवारों को संपूर्ण पुनर्वास मुहैया करने, तालसा टेलिंग डैम से नजदीक में बसे घर परिवार को उचित सुविधा मुहैया करते हुए संपूर्ण पुनर्वास करने, यूसीएल प्रबंधन द्वारा मनमानी तरीके से कंपनी हित में तथा विस्थापित के खिलाफ बने नियमों को सुधार करने, विस्थापितों को नियुक्ति हेतु नियम को सरल करने, प्रभावित परिवारों को उचित मेडिकल सुविधा उपलब्ध करने आदि मुख्य मांगों को प्रमुखता से रखा गया। इन सभी विषयों पर चर्चा करते हुए प्रबंधन की ओर से उपस्थित पदाधिकारी कोई ठोस सकारात्मक जवाब नहीं दे सके। ग्राम सभा के प्रतिनिधियों ने कहा कि इससे पहले भी विस्थापित परिवार, जिला प्रशासन एवं युसिल प्रबंधन के बीच कई वार्ता हो चुकी है, मगर हर बार प्रबंधन के पदाधिकारी विस्थापितों को सिर्फ आश्वासन ही देते आ रहे हैं। पिछले 8 वर्षों से विस्थापित परिवारों को जमीन के एवज में नौकरी नहीं दी गई है। 14 साल से अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति नहीं हुई है। विस्थापित सदस्य यूसिल में नौकरी करते हुए रिटायर हो चुके हैं, उनके आश्रितों को नौकरी नहीं दी गई। ऐसे में जितने पद खाली हो चुके हैं, उसे कैसे पूर्ण किया जाएगा। प्रबंधन के पास कोई पॉलिसी नहीं है. जिसके कारण विस्थापित परिवारों के सदस्य चिंतित एवं आक्रोशित हैं। वहीं बांदुहुड़ांग ओपन कास्ट माइंस और महुलडीह माइंस को कांट्रेक्टर द्वारा संचालित किया जा रहा है। दोनों माइंस के विस्थापितों को तुरामडीह माईंस में नौकरी दी गई है, जिससे तुरामडीह माइंस के विस्थापित परिवारों का अधिकार छीना गया है। वार्ता में यूसिल प्रबंधन की ओर से राकेश कुमार डीजीएम, पर्सनल व औद्योगिक संबंधित डी. हांसदा, मैनेजर पर्सनल संजीव रंजन, गिरीश गुप्ता, प्रबंधक कार्मिक तथा तालसा ग्राम सभा से माझी बाबा दुर्गा चरण मुर्मू, भगवत मार्डी, जितेन हेम्ब्रोम, वकील हेंब्रम, रामचंद्र टुडू, संग्राम माझी, गुम्दा मुर्मू, सिदलाल टुडू, दारोगा हेंब्रम, सिता मुर्मू, सारोती हेम्ब्राम, सरिता मुर्मू आदि काफी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे।

यूसिल गेट पर प्रदर्शन करते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

आई हॉस्पिटल के कर्मचारियों को मिलेगा 18.5% बोनस

समझौते के दौरान अस्पताल के पदाधिकारी व यूनियन नेता • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर आई हॉस्पिटल के कर्मचारियों का बोनस समझौता सोमवार शाम को तय हो गया। अस्पताल प्रबंधन और जमशेदपुर हॉस्पिटल कर्मचारी संघ के बीच 18.5 प्रतिशत बोनस को लेकर हस्ताक्षर हुआ। बोनस की राशि 19 सितंबर को भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों को अधिकतम 76,000 रुपए, न्यूनतम बोनस- 66745 रुपए मिलेंगे। जमशेदपुर आई हॉस्पिटल प्रबंधन के ओर से अधीक्षक सह सचिव डॉ. एसपी जखनवाल, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार रंगा, सदस्य विशाल वीएसटी, श्वेता तिवारी ने हस्ताक्षर किया।

वहीं जमशेदपुर आई हॉस्पिटल कर्मचारी संघ की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, उपाध्यक्ष मीरा कुमारी, जनरल सेक्रेटरी बीके डिंडा, सहायक महासचिव सुशांत खलको, कमेटी मेंबर पार्वती मिश्रा, पूनम तिर्की व पंकज सोना ने हस्ताक्षर किया।

THE PHOTON NEWS

05 www.thephotonnews.com
Tuesday, 17 September 2024

झमाझम बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बढ़ी परेशानी

जमशेदपुर में स्वर्णरेखा व खरकई खतरे के निशान से ऊपर, जिला प्रशासन ने जारी की चेतावनी

जमशेदपुर में उफनाई स्वर्णरेखा व खरकई नदी का विहंगम दृश्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का असर झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। राज्य के कई जिलों में पिछले 24 घंटे से लगातार रुक-रुक कर बारिश हो रही है। सोमवार की अहले सुबह से राज्य के लगभग सभी जिलों में तेज बारिश हो रही है। पूर्वी सिंहभूम जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण खरकई एवं स्वर्णरेखा नदी के जलस्तर में वृद्धि देखी जा रही है। खरकई नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है, वहीं स्वर्णरेखा नदी भी खतरे के निशान के नजदीक है। उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा दोनों नदियों के तटीय क्षेत्र व डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों से सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि नदी किनारे नहीं जाएं, जिससे किसी तरह की जान-माल का नुकसान हो। इसके साथ ही जिला प्रशासन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निदेर्शों का अनिवार्य रूप से अनुपालन करें। 17 सितंबर को भी राज्य के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि 16 सितंबर को राज्य के उत्तर-पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। साथ ही, दक्षिणी और मध्य भागों में भी कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। 17 सितंबर को भी उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है, साथ ही कुछ जगहों पर तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार दोपहर बाद से मौसम साफ होने की उम्मीद है, और उसके बाद अगले चार दिनों तक किसी भी प्रकार का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। सोमवार को मौसम विभाग द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, गंगीय पश्चिम बंगाल और झारखंड के निकटवर्ती इलाकों में गहन अवदाब का असर देखा जा रहा है।

खतरे के निशान से उपर बह रही खरकई

लगातार हो रही बारीश से नदियां उफान पर है। खरकई नदी का जलस्तर आदित्यपुर के पास 130.10 मीटर दर्ज किया गया जो डेंजर लेवल से 1.10 मीटर उपर है। वहीं दोपहर 2.00 बजे स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर 120.920 दर्ज किया गया जो डेंजर जोन से 3 मीटर कम है। हालांकि मौसम विभाग द्वारा जारी संभावना के अनुसार स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है।

मंत्री बन्ना ने दिए जिला प्रशासन को निर्देश

जमशेदपुर के तटीय क्षेत्रों में रहने वालों के लिए चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने उपायुक्त को निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्य करने को कहा है। सोशल मीडिया अकॉउंट एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा है कि लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के कारण स्वर्णरेखा एवं खरकई नदी का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और खतरे के निशान के करीब है। नदी तट पर रहने वाले लोगों से अनुरोध हैं कि सतर्क रहें।

धनबाद के मैथन व पंचेत डैम का बढ़ा जलस्तर, अलर्ट जारी

DHANBAD : पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मैथन एवं पंचेत डैम के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसे देखते हुए मैथन एवं पंचेत डैम के हाइडल स्टेशन से पानी छोड़ा जा रहा है। डीवीसी से प्राप्त सूचना के मुताबिक मैथन डैम का जलस्तर 486 फीट है। यहां से 12300 घनफीट पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं पंचेत डैम का जलस्तर 413 फीट है, जहां से 38,500 घनफीट पानी छोड़ा जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग एवं डीवीसी एमआरओ विभाग डैम के जलस्तर पर कड़ी नजर बनाए हुए है। हर पल की सूचना ली जा रही है। यदि बारिश और तेज हुई तो सोमवार की दोपहर 12 बजे के आसपास मैथन डैम के अन्य गेट भी खोले जाएंगे। इसको लेकर पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों में सतर्कता की सूचना भेज दी गई है। हालांकि अभी स्थिति सामान्य है। मालूम रहे कि मैथन डैम का शाम 5 बजे तक जलस्तर खतरे के निशान से अभी भी 9 फीट कम था। यहां खतरे का निशान 495 फीट है, जबकि पंचेत डैम का जलस्तर भी खतरे का निशान से 12 फीट कम था। यहां खतरे का निशान 425 फीट है।

काशिदा-हुरलुंग रोड को देवली गांव से जोड़ने वाला पुल पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त

घाटशिला अनुमंडल में क्षतिग्रस्त पुल व बारिश से ढहे मकान को देखने पहुंचीं जिला परिषद सदस्य • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GHATSILA: मूसलाधार बारिश से पुल क्षतिग्रस्त होने और कई घरों के नुकसान होने की सूचना पर सोमवार को घाटशिला की जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। काशिदा-हुरलुंग रोड को देवली से जोड़ने वाला पुल पानी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल का ऊपरी हिस्सा और रेलिंग टूटने से आवागमन बाधित हो गया है, जिससे देवली, पुखुरिया, बांकी, चाकदोहा, लुपुंगडीह, बीरबाद, लेदा, दुबराजपुर, चिरुगोड़ा, पीठाती गांव के लोग सीधे तौर पर प्रभावित हुए है। इसके अलावा धालभूमगढ़ प्रखंड के चुकरीपाड़ा, बेहड़ा, कारुवाकाटा आदि गांव के लोग भी प्रभावित हैं। देवयानी मुर्मू ने बताया कि पुल पूरी तरह कमजोर हो गया है। किसी भी समय बड़ी दुर्घटना से इन्कार नहीं किया जा सकता। दो प्रखंड के लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है। सांसद बिद्युत बरण महतो को मामले की जानकारी देकर उच्चस्तरीय पुल निर्माण की मांग की गई है। वहीं काशीदा पंचायत के बरडीह बस्ती में तेज बारिश से देवला सोरेन का मिट्टी का घर भरभराकर गिर पड़ा। टाली व घर का अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना में घर के लोग बाल-बाल बच गए। इसके अलावा भादुआ पंचायत के खरस्वती में फुलो मानकी और रायमनी मानकी का घर भी बारिश में ढह गया।

हजारीबाग में अत्यधिक वर्षा के मद्देनजर उपायुक्त ने जारी की चेतावनी

HAZARIBAG : मॉनसून व अत्यधिक वर्षा के मद्देनजर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने जिलेवासियों के नाम चेतावनी जारी की है, जिसमें लोगों को नदी तट के साथ निचले इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। उपायुक्त ने कहा है कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, रांची से प्राप्त सूचना के आधार पर राज्य में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की सक्रियता के कारण लगातार भारी बारिश की संभावना बनी है। शहर-गांव मे अत्यधिक बर्षा से अक्सर बाढ़ जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो जाती और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। अत्यधिक वर्षा के कारण जिले में जनजीवन प्रभावित होने की संभावना रहती है। सड़क जाम, कच्चे मकान का टूटना, वज्रपात से जान-माल और फसलों क्षति आदि की संभावना रहती है। इसके लिए राहत शिविर के साथ-साथ प्रभावित लोगों के लिए भोजन, पानी, चिकित्सा व्यवस्था, शौचालय, असहायों के लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था की जा रही है।

बागबेड़ा के निचले इलाकों में घुसा नाले का पानी

JAMSHEDPUR : लगातार बारिश से बागबेड़ा के निचले इलाकों में पानी घुस गया है। बागबेड़ा के नया बस्ती स्थित नाले का पानी लोगों के घरों में घुस गया। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग अपने घरों को छोड़कर रिश्तेदार के यहां चले गए, तो कई घर में ही डेरा डाले हुए हैं। कई लोगों ने राहत शिविर में शरण ली है। इधर, उपायुक्त अनन्य मित्तल लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

लगातार बारिश से पश्चिमी सिंहभूम में उफनाए नदी-नाले

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से सोमवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। सोमवार को लगातार बारिश जारी था। चाईबासा और चक्रधरपुर जलमग्न हो उठा। वहीं बारिश के कारण चारों ओर पानी पानी सा रहा, क्योंकि सुबह से शाम तक बारिश छूटने का नाम ही नहीं ले रही थी। लगातार हो रही बारिश से नदियों के तटीय क्षेत्र में रहनेवाले लोग भयभीत रहे। वहीं प्रशासन की ओर से भी उन्हें हाई अलर्ट किया गया है।

संजय-विजय नदी का जलस्तर बढ़ा : चक्रधरपुर से होकर बहने वाली संजय नदी-विजय नदी समेत तालाबों का जलस्तर बढ़ गया है। चक्रधरपुर के तटीय क्षेत्र पुरानीबस्ती, पातु कालोनी, दंदासाई और कुदलीबाड़ी के लोग भयभीत रहे। बारिश के कारण बंदगांव प्रखंड के हिरणी फॉल भी सोमवार को उफना गया है। लगातार बारिश होने के कारण पहाड़ी नदियां भर गई हैं। हिरणी फॉल के झरना से काफी ऊंचाई से पानी बह रहा है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से किसी को भी हिरणी फॉल के झरने की ओर नहीं जाने दिया जा रहा है। वहां सुरक्षाकर्मी नजर बनाए हुए हैं।

चाईबासा में कच्चा मकान गिरने से एक व्यक्ति की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर अनुमंडल के हाटगम्हारिया थाना क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण एक कच्चे मकान के ढह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण हाटगम्हारिया थाना क्षेत्र के कोचड़ा गांव निवासी शुभनाथ बेहरा रविवार रात अपने कच्चे मकान में सो रहा था। अचानक मध्य रात्रि में उसका मकान ढह गया। जब तक घर वाले मलबा हटाते, तब तक काफी देर हो

लातेहार में पीएलएफआई के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

LATEHAR : पुलिस ने छापामारी कर नक्सली संगठन पीएलएफआई के सब जोनल कमांडर समेत तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार नक्सलियों में बालूमाथ निवासी सब जोनल कमांडर रामविजय सिंह, हेरहंज निवासी रूपेश राम और चंदवा निवासी धर्मेंद्र लोहरा शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से पीएलएफआई का पर्चा और तीन मोबाइल जब्त किया है। बालूमाथ डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि उग्रवादी संगठन पीएलएफआई का सब जोनल कमांडर राकेश उर्फ राम विजय लोहरा पिछले पिछले दिनों एक संवेदक को रंगदारी के लिए धमकी दिया था। संवेदक के द्वारा इस मामले को लेकर हेरहंज थाना में प्राथमिक की दर्ज कराई गई थी। इसी बीच रविवार की रात लातेहार पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि पीएलएफआई का सबजोनल कमांडर राकेश अपने कुछ साथियों के साथ हेरहंज की ओर एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस की टीम ने छापामारी कर तीनों उग्रवादियों को पकड़ लिया।

चतरा में मुखिया पर जानलेवा हमला

CHATRA : जिले के हंटरगंज प्रखंड के कोबना पंचायत के मुखिया बबलू कुमार मेहता पर जानलेवा जानलेवा हमला हुआ है। बबलू कुमार मेहता अपने गांव में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। खाना खाकर लौटने के क्रम में बाइक सवार युवकों मे धारदार हथियार से हमला कर दिया। मोटरसाइकिल से दो युवक आए और पीछे बैठा युवक मुखिया के गर्दन पर चाकू से वार कर दिया। मुखिया का गर्दन में कट लग गया और अचेत होकर गिर पड़े। घटना रविवार देर रात की है। गंभीर अवस्था में मुखिया को हंटरगंज अस्पताल लाया गया। सोमवार को स्थिति गंभीर होने के कारण उसे गया मगध मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चतरा में चार बदमाश गिरफ्तार, हथियार बरामद

पत्रकारों को जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHATRA : हंटरगंज पुलिस ने चार देशी कट्टा, छह जिंदा गोली व एक बाइक के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी बिहार राज्य के गया जिले के गुरुआ थाना का बरमा गांव निवासी श्याम कुमार, बिट्टू कुमार, निखिल कुमार एवं हंटरगंज थाना के बहेरा गांव निवासी नवनीत कुमार सिंह उर्फ दीपू कुमार शामिल हैं। एसपी विकास कुमार ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एक बाइक पर सवार होकर कुछ लड़के हंटरगंज से डोभी की तरफ जा रहे है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने फिराक में हैं। सूचना के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया।

‘सरकार की आमद मरहबा’ से गूंजता रहा शहर, चारों ओर निकला जुलूस

ईद मिलाद उन नबी के मौके पर पूरे राज्य में निकले मुस्लिम समुदाय के लोग, जगह-जगह लगे थे लंगर, बांटी गई शीरनी

रांची के खानकाह में मिलाद शरीफ का आयोजन, दी गई अमन-चैन की नसीहत

मिलाद शरीफ में शामिल अकीदतमंद

RANCHI : ईद मिलादुन्नबी के मौके पर डोरंडा मणिटोला फिरदौस नगर स्थित खानकाह मजहरिया मुनअमिया मे खानकाह के सज्जादा नशी पीरे तरीकत रहबरे शरियत हुजूर सैय्यद शाह अलकमा शिबली कादरी साहब के जानिब से सोमवार को मिलाद शरीफ का एहतेमाम किया गया। जिसमे उन्होंने हुजूरे पाक सलअलैहे वसल्लम का दुनिया मे आने का मकशद और उनके बताए हुए राह पर चलने की बातें मिलाद शरीफ मे पहुंचे लोगो को बताया और कहा कि ईद मिलादुन्नबी के पाक मौके पर हमें जुलूस निकालने के साथ ही साथ गरीबों, मिस्किनों की ज्यादा से ज्यादा मदद करनी चाहिए, सदका निकालना चाहिए, अस्पतालों में जाकर गरीबों को फल और जरूरत के सामान देना चाहिए और गरीब असहाय लोगो की ज्यादा से ज्यादा मदद करनी चाहिए।

जमशेदपुर के मानगो से धतकीडीह तक निकाला गया जुलूस-ए-मोहम्मदी

मानगो से निकले जुलूस में शामिल लोग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर में सोमवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.अ.) का जन्मदिवस (ईद मिलादुन्नबी) पूरे जोश और श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न इलाकों से निकले जुलूस जब साकची और धातकीडीह पहुंचे, तब यह विशाल जुलूस-ए-मोहम्मदी का रूप ले चुका था। हजारों मुस्लिम धर्मावलंबियों ने इसमें भाग लिया। इस दौरान पैगंबर हजरत मोहम्मद (स.अ.) की शान में ‘हुजूर की आमद मरहबा’, ‘सरकार की आमद मरहबा’ और ‘या मुस्तफा या मुस्तफा’ जैसी सदाएं गूंजती रहीं। शहर, राज्य और देश में अमन, सलामती और तरक्की के लिए सामूहिक दुआ की गई।

तंजीम अहले सुन्नत व जमात के तत्वावधान और उलेमा-ए-कराम के नेतृत्व में आयोजित इस जुलूस में हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए।

धनबाद में भारी बारिश के बावजूद कम नहीं हुआ उत्साह, बच्चे भी हुए शामिल

धनबाद में जुलूस को आगे बढ़ाते समाज के लोग • फोटोन न्यूज

DHANBAD : मिलाद उन नबी के जन्मोत्सव पर सोमवार की सुबह बड़ी मस्जिद शिवलीबाड़ी के मौलाना मसूद अख्तर के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। लगातार हो रही बारिश के बाबजूद हजारों लोग भींग कर जुलूस में शामिल हुए। सभी उत्साहित थे। सभी हाथों में झंडा लिए हुए नारे लगा रहे थे। जुलूस शिवलीबाड़ी बड़ी मस्जिद से निकलकर गलफरबाड़ी मोड़ पहुंचा, जहां से तालडांगा की ओर रवाना हो गया। इस दौरान शिवलीबाड़ी बड़ी मस्जिद के मौलाना मसूद अख्तर ने कहा कि आज हमलोग पैगंबर मिलाद उन नबी का जन्मोत्सव मना रहे हैं। उनके जन्मदिन पर जुलूस निकाल हमलोग खुशी का इजहार कर रहे हैं। उन्होंने पूरी दुनिया को अमन-चैन का पैगाम दिया। उनका मानना है कि सबसे बेहतर इंसान वही है, जो दूसरों की मदद करे।

लोहरदगा में निकाला जुलूस-ए-मोहम्मदी देते रहे अमन का पैगाम, बांटे लंगर

लोहरदगा में बाजार के बीच से निकलते समाज के लोग • फोटोन न्यूज

LOHARDAGA : पैगम्बर हजरत मोहम्मद की जयंती सोमवार को शांति एवं सौहार्द के साथ मनाई गई। इसे ईस्लाम धर्मावलंबियों ने जश्न-ए-ईद मिलादुन नबी के रूप में मनाया। इस मौके पर अंजुमन ईस्लामिया के निगरानी में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाली गयी। इसका नेतृत्व मसाजिदों के आइमा-ए-कराम और अंजुमन ईस्लामिया कमिटी के ओहदेदरान व विभिन्न पंचायतों के सदर व सेक्रेटरी कर रहे थे। झमाझम बारिश में हरे रंगों के परचम और खुबसूरत रंग-बिरंगे पताके हाथों में लिये जनसैलाब के रूप में मुस्लिम समुदाय स्थानीय जामा मस्जिद के समीप से होते हुए बड़ा तालाब, बगडू रोड़, तैगी नगर, अमला टोली, सोमवार बाजार, पावरगंज, बाबा मठ, न्यू रोड, महात्मा गांधी पथ, गुदरी बाजार, शास्त्री चौक, तेतर तर, थाना रोड समेत विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पुनः जामा मस्जिद के पास पहुंचे।

अंतिम पड़ाव की समस्याएं

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के खुदरा मुद्रास्फीति के ताजे आंकड़े एक बार फिर टिकाऊ मूल्य स्थिरता के लक्ष्य को हासिल करने की राह में मौजूद चुनौतियों को रेखांकित करते हैं। अगस्त में साल-दर-साल के आधार पर महंगाई के अनुमानों से पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित हेडलाइन दर जुलाई के 3.60 फीसदी से मामूली रूप से बढ़कर 3.65 फीसदी हो गई है, क्योंकि सब्जियों की मुद्रास्फीति में तेज उछाल के चलते खाद्य पदार्थों की समग्र महंगाई में व्यापक तेजी आई है। सब्जियों के उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक के तीसरे सबसे बड़े घटक की कीमतों में पिछले महीने 380 आधार अंक से ज्यादा का इजाफा हुआ और यह 10.7 फीसदी पर पहुंच गया, जिससे खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति 5.66 फीसदी हो गई। सब्जियों में सबसे ज्यादा उपभोग किए जाने वाले आलू और प्याज में साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति जुलाई के स्तर से नरमी के बावजूद अभी भी छठे और 13वें महीने के लिए उच्च दहाई अंकों में क्रमशः 64 फीसदी और 54 फीसदी पर बनी हुई है। गाजर, पालक और बैंगन सहित अन्य सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई और इन तीनों सब्जियों में दहाई अंकों में मुद्रास्फीति दर्ज की गई। इसके अलावा दालों और अनाजों की कीमतों में अवस्फीति धीमी रही। साल-दर-साल के आधार पर दालों में मूल्य वृद्धि लगातार 15वें महीने दहाई अंकों में 13.6 फीसदी पर बनी रही, जबकि अनाजों में 7.3 फीसदी की मुद्रास्फीति दर दर्ज की गई। चिंताजनक बात यह है कि ग्रामीण इलाकों में खाद्य मुद्रास्फीति छह फीसदी से ज्यादा हो गई है और यह स्थिति ऐसे समय में है, जब आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र में निजी उपभोग फिर से रफ्तार पकड़ने की कोशिश कर रही है। मौद्रिक नीति समिति के एक बाहरी सदस्य के रूप में शशांक भिड़े ने पिछले महीने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीति समीक्षा बैठक में अपनी टिप्पणियों में कहा था, उच्च खाद्य मुद्रास्फीति विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, क्योंकि यह उपभोग को प्रभावित करती है। आरबीआई के चार फीसदी के हेडलाइन खुदरा मुद्रास्फीति के मध्यम से अवधि के मौद्रिक नीति लक्ष्य के लिए टिकाऊ अवस्फीति को अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिसका एक प्रमुख तत्व कोर मुद्रास्फीति में दोबारा उभार है। मूल्य वृद्धि की माप, जो अपेक्षाकृत ज्यादा अस्थिर खाद्य और ईंधन के घटकों को उघाड़ देती है, जुलाई में 17 महीने की मंदी के सिलसिले को तोड़ने के बाद 3.38 फीसदी तक चढ़ गई। मासिक एचएसबीसी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण में सामानों के निमाताओं से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर, एचएसबीसी ने इस महीने कहा कि अगस्त में वस्तुओं के लिए मांगी गई कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और आउटपुट-चार्ज मुद्रास्फीति की दर करीब 11 साल में दूसरी बार सबसे तेज है। इसमें मानसून की स्थानिक और सामयिक अस्थिरता को जोड़ दें, तो मूल्य स्थिरता से संबंधित अनुमान और भी ज्यादा अस्पष्ट हो जाता है।

75% काफी नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं 75% तक सुलझ गई हैं, कई लिहाज से अहम है। इसकी टाइमिंग तो खास है ही, आगे-पीछे और समानांतर चल रहे प्रयासों की रोशनी में इस बयान को दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की बढ़ी हुई दोतरफा इच्छा का संकेत माना जा रहा है। भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद के चार वर्षों में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दर्जनों दौर हो चुके हैं। लेकिन, यह पहला मौका है, जब विदेश मंत्री ने इसमें हुई प्रगति को इस तरह मात्रात्मक अंदाज में व्यक्त किया। इससे पॉजिटिविटी का जो संदेश निकला है, वह इस मायने में भी अहम है कि इससे साथ-साथ चल रहे अन्य प्रयासों की भावना भी रेखांकित होती है। विदेश मंत्री जयशंकर के बयान के कुछ घंटों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की एनएसए बैठक के लिए रूस गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यी विदेश मंत्री भी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्बहाली से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रयास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है। इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद की उलझी हुई गुत्थी आसान हो गई है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है। चीन की तरफ से सीमा विवाद को दरकिनार करते हुए संबंध सुधारने के आग्रह पर भारत का रुख आज भी यही है कि सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल हुए बगैर यह संभव नहीं। भारत यह बताने में भी संकोच नहीं कर रहा कि चार साल पहले एलएसी पर चीन द्वारा की गई कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच उस समय तक बनी तमाम सहमतियों का उल्लंघन थी और आज तक यह भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव : विमर्श का विषय

ANALYSIS

प्रवीण गुगनानी

कांग्रेस ने भी फारूक अब्दुल्ला और उनके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद बना था- गुपकार गठबंधन। गुपकार गठबंधन चाहता है कि अनुच्छेद 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति सांप-छछूंदर जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों,उग्रवादियों,आतंकियों,देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतार कर अनुच्छेद 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था, तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग मुंह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं।

उस जमाने की बात याद है, जब प्रत्येक राष्ट्रीय कानून, प्रस्ताव, प्रावधान आदि पर लिखा जाता था- जम्मू और कश्मीर को छोड़कर, लेकिन अब देश में वैसा नहीं होता। जम्मू-कश्मीर अब शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नए भारत का नया कश्मीर है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहां भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे, उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी-20 का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है। अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुतः बदनीयत वाले लोग थे, वे अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फारूक अब्दुल्ला और उनके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के बाद बना था- गुपकार गठबंधन। गुपकार गठबंधन चाहता है कि अनुच्छेद 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति सांप-छछूंदर जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों,उग्रवादियों,आतंकियों,देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतार कर अनुच्छेद 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था, तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग मुंह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं। 6 अगस्त 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने 370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला देश विरोध नहीं तो और क्या था। शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को गुपकार गैंग से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फारूक अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य के साथ अनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुनः गुपकार रोड पर इनके साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि अनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़ कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है। ये दोहरा चरित्र क्यों है। शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिए। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक बॉम्ब टॉय है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं। पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के एक देश, एक विधान, एक प्रधान के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्प शक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्मू और कश्मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमशः 30757 करोड़ रुपये और 5959 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए, जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ। वर्ष 2019 में ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स्तर के चुनाव में भी यही गाथा दोहराई गई। आज कश्मीर में आयुष्मान योजना में 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में कश्मीर ने देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार, 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्मू-कश्मीर में रहने वाले व्यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे। इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छह हजार आवासों का निर्माण हो गया है। जम्मू-कश्मीर से बाहर विवाह करने वाली लड़कियों और उनके बच्चों के अधिकारों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया गया है। कश्मीर में पहली बार दस हजार रिक्त नौकरियों को सूचीबद्ध करके इन पर नियुक्तियों का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके दूसरे चरण में लगभग साढ़े बारह हजार नौकरियों के लिए भर्ती अभियान चलाया गया है। मोदी सरकार ने कश्मीर में हिमायत योजना से लगभग नब्बे हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने पचास नए महाविद्यालय प्रारंभ किए हैं, जिसमें लगभग सात हजार कश्मीरी छात्र नए कश्मीर का भाग्य लिख रहे हैं। सात मेडिकल कॉलेज व पांच नर्सिंग कॉलेज प्रारंभ किए गए हैं। आईआईटी जम्मू को अपना कैंपस और एम्स की भेंट मिली है। अटल टनल प्रारंभ होने के साथ चिनाब पर विश्व का सबसे ऊंचा 467 मीटर का पुल अब कश्मीर को वैश्विक नक्शे पर आतंकग्रस्त नहीं, अपितु एक विकसित प्रदेश के रूप में दिखाता है। कश्मीर में आज ऐसी कई नई योजनाएं प्रारंभ हो रही हैं। एक समय था, जब कश्मीर के जंगल उजाड़ कर देशभर में बनने वाली पेंसिल की लकड़ी पुलवामा से जाती थी। आज मोदी सरकार की कल्पनाशीलता से पुलवामा का उक्खू गांव देशभर की पेंसिल खपत की नब्बे प्रतिशत पेंसिल और बड़ी मात्रा में क्रिकेट बैट सप्लाई करके अपने उत्पाद का उच्चतम मूल्य प्राप्त कर रहा है। सबसे बड़ी बात कि इसके लिए वह अपने अमूल्य देवदार के वृक्षों को नहीं काट कर पर्यावरण सुरक्षा भी कर रहा है। पहले कश्मीर से पेंसिल की लकड़ी जाती थी, अब वैल्यू एडिशन के साथ पेंसिल जाती है और स्थानीय बहुमूल्य लकड़ी भी नहीं काटी जा रही है। कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विस चुनाव में भाजपा का स्पष्ट कहना है कि वह कश्मीर को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुक्ति दिलाएगी और कश्मीर की कश्मीरियत स्थापित रखेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आरबीआई व बैंकिंग क्षेत्र के बारे में गलत विमर्श का जवाब

साल 2013 में नरेंद्र मोदी के देश की सत्ता संभालने से एक साल पहले मॉर्गन स्टेनली ने भारत को उभरती हुई पांच कमजोर अर्थव्यवस्था में से एक के रूप में नामित किया था। इसे अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए विदेशी पूंजी पर निर्भरता और कई मामलों में महत्वपूर्ण चालू खाता घाटे के कारण नाजुक पांच अर्थव्यवस्था के रूप में घोषित किया। 1997 में आरबीआई के पूंजी ढांचे पर गौर करने की आवश्यकता थी, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि आरबीआई को अपनी परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में कितना आरक्षित रखना चाहिए। वी सुब्रह्मण्यम के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया। समिति ने अपनी परिसंपत्तियों का 12 फीसदी प्रस्तावित करते हुए एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। आरबीआई ने निष्कर्षों को स्वीकार नहीं किया। 2004 में उषा थोरातजी के नेतृत्व में एक और समूह ने आरबीआई के पूंजी ढांचे की समीक्षा के लिए बैठक की। समूह ने लगभग 18 प्रतिशत की सिफारिश की, जिसे आरबीआई ने स्वीकार नहीं किया। 2013 में वाईएच मालेगाम समिति ने सिफारिश की कि अतिरिक्त भंडार सरकार को दिया जाना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सहित दुनिया भर में सामान्य मानदंड कुल संपत्ति का 8 फीसदी है। 2008 में यूएस फेड ने वित्तीय संकट के दौरान अमेरिकी बैंकों की मदद करने के लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार आवंटित किया। इसलिए ऐसा कुछ भी नया नहीं है, जिसे भारतीय सरकार अपने स्वार्थ के लिए अपने केंद्रीय बैंक से पूरा करवाना चाहती हो और हम सभी जानते हैं कि हमारे बैंकिंग क्षेत्र, विशेष रूप से सार्वजनिक उपक्रमों ने पिछले दशक में कैसा प्रदर्शन किया है। जब बड़े पैमाने पर कर चोरी के कारण राजस्व संग्रह कम होता है और रोजगार सृजन और सामान्य विस्तार (5 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी का लक्ष्य) के माध्यम से सुविधाओं के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने की आवश्यकता होती है, तो सरकार को धन की आवश्यकता होती है। आखिरकार, आरबीआई का पैसा भी लोगों का पैसा है, तो सरकार इसका उपयोग क्यों नहीं कर सकती। कई साल पहले सरकार ने सभी बैंकों से कृषि क्षेत्र में ऋण देने के लक्ष्य को पूरा करने को कहा था और किसी भी कमी का भुगतान सरकार के माध्यम से राज्यों में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश के लिए नाबार्ड को किया जाना था। इस निर्देश से कई गांवों को लाभ हुआ। प्रमुख अर्थशास्त्री और आरबीआई के पूर्व गवर्नर बिमल जालान समिति की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्र निर्माण के लिए आरबीआई द्वारा केंद्र सरकार को आरक्षित धन का एक हिस्सा हस्तांतरित करना उचित है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये का लाभांश दिया। यह एक साल पहले की राशि से दोगुने से भी अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 47 (अतिरिक्त लाभ का आवंटन) के अनुसार अधिशेष या व्यय पर आय की अधिकता को सरकार को हस्तांतरित करता है। अधिनियम की धारा 47 के अनुसार, केंद्र सरकार को खराब ऋण, मूल्यह्रास और अन्य खर्चों में कटौती के बाद शेष आय प्राप्त होगी। अधिकतर देशों में यही स्थिति है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व, बैंक ऑफ जापान, बैंक ऑफ इंग्लैंड और जर्मन बुंडेसबैंक के कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आय का भुगतान सरकार या राजकोष को किया जाना चाहिए। अधिशेष और लाभांश गणना बिमल जालान समिति द्वारा अनुशंसित आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) पर आधारित थी। समिति ने सिफारिश की कि आरबीआई अपनी बैलेंस शीट का 5.5 से 6.5 प्रतिशत का आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) बनाए रखे। बैंकों का सकल एनपीए 2018 में 11.25 प्रतिशत से गिरकर सितंबर 2023 में 3 फीसदी हो गया, जबकि ऋण वृद्धि लगभग 15 फीसदी रही। वित्त वर्ष 24 में बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। सूचीबद्ध सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 20 में 2.2 लाख करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 23 में 39 फीसदी बढ़कर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने इस वर्ष 1.4 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 34 फीसदी अधिक है, वहीं निजी क्षेत्र के बैंकों का शुद्ध लाभ 1.7 लाख रुपये रहा, जो पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ रुपये से 42 फीसदी अधिक है। एक दशक पहले भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। रुपये की वैश्विक मौजूदगी बढ़ाने से इसके मूल्य को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा आरबीआई भविष्य में होने वाले निवेश को बेहतर तरीके से संभालने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करने की अपनी क्षमताओं में सुधार कर रहा है। 2014 में अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण राजकोषीय और चालू खाता घाटे और दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति से ग्रस्त थी। अब मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, राजकोषीय घाटा नीचे की ओर जा रहा है और चालू खाता घाटा जीडीपी का मुश्किल से 1 फीसदी से अधिक है और विदेशी मुद्रा भंडार लगभग ग्यारह महीने के आयात को कवर करता है। यह कमजोरी से स्थिरता और ताकत की यात्रा रही है। यहां दो बिंदुओं को उजागर करना आवश्यक है। सरकार के कोविड प्रबंधन और टीकाकरण रिकॉर्ड ने अर्थव्यवस्था के तेजी से उबरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी तरह, पिछले दो वर्षों में उचित कीमतों पर कच्चे तेल की आपूर्ति का प्रभावी प्रबंधन उल्लेखनीय है। मनुष्य अदृश्य की सराहना करने में असमर्थ है। गलतियां नहीं की गईं और जोखिमों से बचा गया, फिर भी प्रतितथ्य हमारे चारों ओर हैं। जैसा कि सरकार अपर्याप्त बुनियादी ढांचे और वित्तीय बहिष्कार जैसे दीर्घकालिक मुद्दों को संबोधित करती है, आकांक्षाएं बढ़ती हैं और उम्मीदें ऊपर की ओर बढ़ती हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो में भाग लिया। यह मंच टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में काम करने वाले हितधारकों को एक साथ लाता है। हरित कल के निर्माण के उद्देश्य से नवोन्मेषी समाधान और निवेश देखकर खुशी हुई!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जम्मू की जनता जानती है कि यहाँ शांति सिर्फ मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ही बनाए रख सकती है। किश्तवाड़ में जम्मू के भाइयों-बहनों से संवाद किया।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

दिल्ली में झारखंड के हजारों प्रवासी रहते हैं। मेरी दिल्ली यात्रा के दरम्यान मिलकर और मोबाईल पर भी वे लोग नालियों की सफाई न होने के चलते दिल्ली में वर्षा का पानी पहले तल्ले तक घरों में घुस जाने से बनी नारकीय स्थिति और जीना मुहाल होने, उनकी गाड़ियॉं पानी में डूब कर बर्बाद हो जाने, बिजली-पानी के बेतहाशा बढ़े हुए बिल आने जैसी पीड़ा से अवगत करता रहते हैं। लोग केजरीवाल सरकार के कामकाज और आप पार्टी द्वारा एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचार का कीर्तिमान स्थापित कर रहे होने की खबरों से बेहद नाराज और आक्रोशित हैं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

निर्भयाओं को निर्भय बनाने के प्रयास और सख्ती के प्रावधान

पश्चिम बंगाल में आरजी कर अस्पताल का प्रकरण भले आज उबाल ले रहा हो, पर 2012 के निर्भया कांड के बाद हुई सख्ती के बावजूद ऐसी घटनाओं का बंद होना तो दूर, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे। कठोर सजा के प्रावधान भी बेअसर हो रहे हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध वाले प्रकरणों का न्यायालयों में निस्तारण भी तेजी से हो रहा है। करीब 90 प्रतिशत तक प्रकरणों का न्यायालयों से निस्तारण किया जा रहा है। लेकिन, महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ समय गुजरते ही देश में कहीं न कहीं निर्भया जैसे नृशंस कांड हो रहे हैं, जो देश को हिलाकर रख देते हैं। कोलकता आरजी कर अस्पताल में रेप व हत्या की घटना के बाद जिस तरह देशव्यापी माहौल बना, उसके चलते पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा ह्यअपराजिताह्न महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिमी बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधानसभा से पारित हो गया। सवाल यह नहीं है कि कानून कितना सख्त बनाया गया है। सवाल यह भी नहीं है कि कानून में किस तरह से जांच से लेकर सजा तक की समय सीमा तय की गई है। सवाल यह है कि 2012 में निर्भया कांड के बाद जिस तरह से कानून में बदलाव कर सख्ती के प्रावधान किए गए, जिस तरह से पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की बात हुई और जिस तरह से देश में त्वरित न्याय के लिए फास्ट ट्रेक स्पेशल अदालतें और पॉक्सोअदालतें बनाई गईं, उसके बाद भी हालात में बदलाव क्यों नहीं दिखाई दे रहे हैं। दिसंबर 2012 में निर्भया कांड को लेकर जिस तरह देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला, उसके बाद 2013 में नया आपराधिक कानून लाकर सरकार ने सख्ती की मंशा दिखाई। इसके बावजूद सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिला। 2015 में किशोर न्याय अधिनियम के माध्यम से 16-18 साल के दोषियों को भी कोई रियायत नहीं देने के प्रावधान किए गए और 2019-20 में 1023 फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट का गठन और 389 पॉक्सो कोर्टो के गठन के बावजूद अपराधियों में किसी तरह भय का वातावरण नहीं बना है। उज्जैन, अयोध्या और इसके बाद आरजी कर प्रकरण से साफ हो गया है कि भले ही अब ममता सरकार ने नया अधिनियम पारित करा लिया हो, पर तस्वीर का एक पहलू यह भी है कि ऐसे मामलों में भी लोग राजनीतिक फायदा-नुकसान को देखकर प्रतिक्रिया देते हैं। मानवता के लिए इससे अधिक कलंक की दूसरी बात क्या होगी। आंकड़ों में देखें तो निर्भया कांड के समय ऐसे 24915 मामले सामने आए थे, तो साल 2016 में सर्वाधिक 38947 अपराध सामने आए। 2020 के कोरोना काल में अवश्य 28046 मामले आए अन्यथा आंकड़े 30 हजार से अधिक ही रहे। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के इस तरह के 31516 मामले आए यानी 2012 के निर्भया कांड और उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप देश ही नहीं, विश्वव्यापी आक्रोश व जनचेतना के बावजूद ऐसे अपराधों में कमी नहीं आई। सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद अपराधी प्रवृत्ति के लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं। साफ है कि कानून बनाने या सख्त सजा व त्वरित न्याय की व्यवस्था एक बात है और समाज को अपराध विहीन बनाना दूसरी बात। इसके लिए हमें हमारे मूल्यों और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा। महिलाओं की इज्जत करना, उनके सम्मान की रक्षा करना सीखना और सिखाना होगा। नहीं तो कानून के डर से अपराध कम हो जाएंगे, यह सोचना एक हद के बाद सही नहीं हो सकता।

मौसम के देवता

बीते हफ्ते की शुरूआत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मिशन मौसम के लिए 2000 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। इसे मुख्य रूप से भारत मौसम विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूवानुर्मान केंद्र और भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) जैसे संगठनों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को उन्नत (अपग्रेड) करने में खर्च किया जाएगा। ये वे संगठन हैं, जो कई टाइम स्केल में भारत की मौसम और जलवायु पूवार्नुमान प्रणाली की रीढ़ बने हुए हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) को उम्मीद है कि 2026 तक इस मिशन के पहले चरण में वह 60 मौसम रडार, 15 वायु प्रोफाइलर और 15 रेडियोसॉन्डेस खरीदने और स्थापित करने में कामयाब हो पाएगा। बता दें कि यह मंत्रालय इस अभ्यास को कार्यान्वित करने वाली नोडल संस्था है और ये ऐसे उपकरण हैं, जो वायुमंडल की अलग-अलग ऊंचाइयों पर हवा की गति, वायुमंडलीय दबाव, आर्द्रता और तापमान के बदलते मापदंडों पर हमें नियमित अपडेट देते हैं। अगर मिशन का उद्देश्य इतना भर होता, तो यह 2012 में शुरू किए गए राष्ट्रीय मानसून मिशन से बहुत अलग नहीं होता। उस कवायद का मुख्य उद्देश्य मानसून की भविष्यवाणी करने के लिए एक नया तरीका विकसित करना और इसके लिए गहन कंप्यूटिंग पर आधारित मौसम मॉडल का इस्तेमाल करना था। अब भारत के पास मौसम से जुड़ा का एक व्यापक मॉडल है, जो कई टाइम-स्केल पर पूवानुर्मान जारी कर सकता है- दैनिक से लेकर समूचे मौसम के लिए मॉनसून की भविष्यवाणियों तक। मॉनसून के अलावा इस तरह के मॉडल को लू, शीत लहर और स्थानीय पूवार्नुमनों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। मौसम के पूवार्नुमानों को ज्यादा सटीक बनाना और इसमें लगातार सुधार करना एक ऐसा सिलसिला है, जो कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन मिशन मौसम इस दिशा में और कई तरह की संभावनाओं के द्वार खोलना चाहता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Memorable visit to DAV College, Lahore

The importance of preserving cultural heritage came to the fore when I recently visited DAV College, Lahore, and my birthplace, Eminabad. The Pakistani town is associated with Guru Nanak Dev and historical monuments and artefacts have been well maintained.

DAV College was started in 1886 as a memorial to the founder of Arya Samaj, Swami Dayanand Saraswati. After Partition, the college was relocated to Ambala city in 1948. The campus in Lahore served as a refugee camp till 1952. Thereafter, it was used as a medical and law college by an Islamic NGO, before being converted in 1958 into Government Islamia College Civil Lines for post-graduate studies. At present, 7,500 students are studying in this institution.DAV College, Lahore, was associated with many fearless freedom fighters. Famously, Bhagat Singh and Rajguru sought refuge here after Assistant Superintendent of Police John Saunders was shot in front of the police station, located across the road from the college. They fled through the college gates as Chandrashekhar Azad fired at Constable Chanan Singh, who was in pursuit.DAV College is also the site of samadhis of three members of Maharaja Ranjit Singh's family. A board on the campus states that the first samadhi belongs to Raj Kaur or Datar Kaur, who died in 1838. She was the mother of Kharak Singh, the Maharaja's eldest son and

successor. The second samadhi belongs to Chand Kaur, wife of Kharak Singh and mother of their son Nau Nihal Singh. She died in 1842. The third samadhi is of Sahab Kaur, who married Nau Nihal Singh at the age of 16 in 1837, and died in 1841.Hard to miss on the campus is the board listing the names of all those who donated more than ~5,000 towards the establishment of the college in 1883. One of the top donors contributed as much as ~60,000, which was a very significant amount at the time.

College principal Dr Akhtar Hussain Sandhu, who joined as the vice-principal after completing his higher education from London in 2019, found the donor board plastered over with cement. He was told that this was done since the board carried the names of Hindus and Sikhs associated with the institution. He sought help from Dr Assal Ali Dani, an associate professor of Urdu, to restore the board.Both appreciated the work done by the DAV college managing committee and Arya Samaj leaders for setting up the college, saying had they not set up the institution, "we would still have been shepherds".

The main building of the college displays a foundation stone acknowledging the gift by Rai Bahadur Ganga Ram. A drinking water tower in front of another building acknowledges the donation made by Malan Devi in memory of her husband, Lala Sada Nand Grover.

When my friend Amar Raj Singh Nain politely mentioned that Sandhu is in fact a caste amongst the Sikh community in India, Dr Sandhu disclosed that his ancestors had converted to Islam. All religious places and historical legacies must be given 'izzat' (respect) and 'itram' (reverence), he said. A message leaders on both sides of the divide would do well to adhere to.

Cyber fraud is rampant, be aware and mindful

Resist clicking on links sent on email, WhatsApp or SMS, or downloading applications sent by anyone

You may be an extremely cautious person, but sometimes scammers can get the better of you. A Pune resident learnt this the hard way. He was checking out hospitals online for a consultation and when he got a call from someone claiming to be from one of the well-known hospitals he had visited virtually, he found no reason to suspect the veracity of the caller.

So much so that he readily opened the link sent to his mobile phone for payment of the 'registration fee' for appointment with a doctor, and transferred the money through it. It was only when his bank informed him that ~64,000 had been deducted from his account through various online transactions, did he realise that he had been taken for a ride! Obviously, the cybercriminals had installed some spyware on his phone, possibly through an application he had installed, and were following his digital footprint.

Today, online frauds have become rampant. Worse, with the help of artificial intelligence, cybercriminals are perfecting their modus operandi to such an extent that it is becoming almost impossible for consumers to identify the fake. Earlier, poor language skills exposed them, but with AI, language is not a barrier anymore. There have been 'fake traffic challan' scams, 'narcotics-in-your-parcel' fraud, 'Aadhaar card linked to terrorism' hoax, cryptocurrency and investment rackets, online loan and job scams, matrimonial cons, frauds through impersonation using deep fakes and voice cloning. Well, the list is endless and the victims in many cases have lost their entire savings, or incurred huge liabilities.

Recently, a reader told me about a phone call that he received — an automated pre-recorded message in faultless English and Hindi, telling him that it was from the Reserve Bank of India and that his bank accounts would be frozen in two hours for involvement in 'illegal transactions'. 'Press 9 for more information,' said the voice at the other end. Consumers have also got such calls claiming to be from their bank, asking whether they had made a transaction of considerable amount on their debit or credit card. Press #1 to confirm and #9 to deny and report the fraud, they are told. In their anxiety, people press #9 and are asked to give their name, card number and date of birth to confirm their identity. Next, they are sent a link or an app on WhatsApp with malicious software, ostensibly to lodge a complaint with the cybercrime police. When they open the link or install the app and follow the instructions, they end up becoming victims of cybercriminals.

Recently, a friend received an authentic-looking email from the 'cybercrime police', saying she was under their radar for using her Internet connection for child pornography!Last year, a senior citizen lost ~1 lakh to another carefully crafted ploy. It all started with the man

trying to add ~155 worth of talk time and data on his phone. The bank deducted the money, but the recharge was unsuccessful. He sent an email to the service provider, and was asked to contact his bank. Meanwhile, someone claiming to be an executive of the service provider called and said they would credit ~155 to his bank account. To facilitate that, they asked him to download an application and scan his debit card on it. The app that he downloaded was Rust Desk — an open source remote access and control software, using which the fraudster carried out transactions worth over ~1 lakh on his card. Obviously, the man's email was compromised.While the Central government as well as several state governments are equipping cybercrime police with sophisticated equipment and skills to track and nab online scammers, consumers need to exercise utmost caution and resist the temptation to click on any links sent on email, WhatsApp or SMS, or download applications sent by anyone, as they are the source of malware that can track your online browsing, steal crucial data stored on your computer or phone and access your email.So, even if your service provider sends a link to help you pay your dues, it would be safer to download the official app of the service provider, or go to its authentic website to pay. If you want an app, go to your phone's official store and download the app from there, but only after reading the user reviews and ensuring its authenticity. And allow the app to access only those controls or data that is necessary for its functioning. Install good anti-virus software and always download the security updates sent by your phone's computer operating systems.If anyone calls from an unknown number, claiming to be from your service provider or even the police, disconnect and call them on the official number provided on their website. Keep yourself updated on online frauds. Remember, today, every Internet user is at risk. Only your awareness and presence of mind can save you.

Sitaram Yechury: Comrade's love, not war

Last week, we had more rain than I can remember in a long time. News trickling in from friends and relatives in the hills is frightening and one lives in terror of the floods and landslides that will surely follow. The previous week, during an idyllic vacation at a resort on the Ganga in Rishikesh, I was appalled to see the surging waters of the river. One slip of the foot and one could be swept away forever. The hotel had barred the gates where guests could walk down for a private dip in normal times and the aarti, done each evening, was performed but with an awning strung over the area. Nevertheless, the serenity and beautifully green ambience was like a balm on the soul of those of us who crave for peace and a noise-free environment.Back in Noida, where we consider ourselves fortunate if we get a brief, occasional shower during the monsoons, we have been blessed with overcast skies, steady drizzles and the kind of dark thundery sky that uplifts sagging spirits. Of course, we oldies can savour this but the plight of the commuters, delivery boys and schoolchildren caught in the interminable traffic jams is another story.Then there was the presidential debate in Philadelphia — an event that had everyone waiting to see the outcome. I must say, our politicians are better at hurling insults and trading non sequiturs. The stage was set up clearly to trump (excuse the pun) one candidate, while the other relied on age and charm rather than on facts and policies. Disappointing, to say the least. Meanwhile, our media has been feeding off the visit of our LoP, and he provides good TRPs is all I can say. Let's wait now for the next Indian leader's visit and see what he will provide to his friends and foes.The triviality of all these events was revealed by the demise of Sitaram Yechury after a brief battle in Delhi's AIIMS. It is significant that every newspaper and all the news channels paid fulsome tributes to a man who was truly one of a kind.

Bail for Kejriwal

AAP relieved, CBI's credibility under a cloud

DELHI Chief Minister Arvind Kejriwal's prolonged stay in jail has come to an end weeks before the Haryana Assembly elections, with the Supreme Court granting him regular bail in the corruption case lodged by the CBI in connection with the excise policy 'scam'. He is now free to campaign for AAP candidates but cannot make any public comment on the merits of the case. Nor can he discharge his duties as the CM as normal. Despite the restrictions and riders, Kejriwal and his party have every reason to feel relieved. They are also feeling vindicated as one of the two judges on the SC Bench that gave him bail, Justice Ujjal Bhuyan, questioned the timing of his arrest by the CBI. The judge observed that the probe agency's aim was to scuttle the grant of bail in the money laundering case registered by the Enforcement Directorate (ED).Over the past few

months, the Delhi CM has found himself helplessly wedged between these Central agencies, with both giving no quarter. Even the interim bail granted by the apex court in July in the ED case brought no relief to him as he remained behind bars over the CBI case. Well aware of the ground reality — the trial is not likely to be completed in the near future — the court has done the right thing, constitutionally as well as legally, by ordering Kejriwal's release. No less important is the court's rejection of the apprehension that the CM may tamper with evidence.

Nevertheless, Kejriwal is under judicial scrutiny — and so too is the CBI. Mincing no words, Justice Bhuyan has asked the agency to dispel the notion of being a 'caged parrot' — an infamous tag that is hard for it to shed. If the CBI has a watertight case against the CM, it should not be bothered about whether he is out on bail or in jail. If not, its credibility will take another hit, buttressing the Opposition's charge of political vendetta.

A Buddhist monk in his exclusive aviary

One bright morning in March 1981, my journey to Gangtok was interrupted by a sizeable landslide, about 20 km short of the destination. A functionary of the PWD estimated three hours for the resumption of traffic. Noticing my camera and..

One bright morning in March 1981, my journey to Gangtok was interrupted by a sizeable landslide, about 20 km short of the destination. A functionary of the PWD estimated three hours for the resumption of traffic. Noticing my camera and binoculars, he stated pointing to the ridgetop, "Uper wahan Karmapa Sahib kay pinjre mein bahut sundar parinday hain..." (Up there in Karmapa Sahib's cage are very beautiful birds).Twenty minutes later, huffing and puffing, I stood transfixed by the 'pinjra', which was a spacious, state-of-the-art aviary-cum-hermitage of the venerable Karmapa. Tall and handsome, he was a high priest of Buddhism ordained by His Holiness, the Dalai Lama, at the Potala, in the 1940s. After brief pleasantries, as he led me inside, the birds, at once, scuttled around or perched on his shoulders as he casually informed that they were 108 in number. Noticing my puzzled look, he then put me wise about the sacredness of the figure, both to the Hindus and Buddhists — 108 Upanishads as also 108 beads in a monk's rosary.At this stage, the Karmapa discreetly moved away, stipulating that he and his hermitage must not figure in any photo frame. My challenge, however, lay in picking the seven birds corresponding to the unexposed film. The dilemma resolved itself as the first to make 'parikramas' around me was a female green peafowl, the most coquette photo-model as she mischievously moved the moment I zeroed out the camera! Unlike our National Bird, which has a pan-India presence, their green cousin was essentially confined to Manipur, Mizoram and a few in Jalpaiguri, from where this interloper had seduced the Karmapa. After all, who

could resist their blue and yellow facial skins, heads adorned by an erect bluish-green plume, necks and breasts a glistening bronze-green and the tail of males tinged copper bronze turning violet under certain light!Unknown to me at that moment, I became, perhaps, the last person to photograph possibly the last surviving green peafowl of India. Tragic, but that is God's truth.

Riding on luck's high tide inside the Karmapa's hermitage, my lifetime's next encounter was with a male grey peacock pheasant. As pheasants go, his silver-brown plumage was sombre, but the purple-green eyespots over the crown and tail were simply mesmerising but regrettably so spooky that the photograph is worthless. Let's hope that because of the species' retiring nature, they may survive farther into the future than was the case with our green peafowl.My choice for the next photo frames fell on two 'ornamental' birds — a golden pheasant from China and a ring-neck pheasant from Russia. The golden vied most aggressively for notice, possibly conscious of his apt moniker, 'Rainbow Pheasant'. Who could fault him, with polished gold from the crown down the neck, eyes a bright yellow with a tiny black pupil, rust-coloured face and throat, wattles pinkish-yellow, upper body jade green, underparts bright red, tail barred pale brown and legs and feet, yellow. Phew!The male ring-neck's plumage was yet another colour extravaganza; bottle green head offset by red wattles, upper parts barred bright gold tinged with copper and purple, small of back royal blue and tail light brown barred black! But, sadly, they are destiny's discarded creatures, having become the favoured 'game bird' of Europe and Americas.

My cup of luck brimmed over on two more counts, firstly lifetime's yet another first sighting, the emerald dove, and secondly, that I had one vacant photo frame to freeze her likeness! True to her name, the dazzling emerald green on her back, wings offset by mellow pinkish-grey underparts and the bright red bill made for a euphoric memory.There was one other-worldly aspect to this entire episode. I was the only "outsider" ushered in by the Karmapa inside his hermitage, and I shall never know why. When I revisited some six months later, armed with several rolls of film, gone was the 16th Karmapa and his aviary. He had been claimed by cancer and the birds had been freed in the Pharaohic belief that they would accompany the Karmapa's soul to heaven! My wife and I sat for long, facing the Rumtek monastery, in silent homage to a great Buddhist.

Kross shares list flat on D-Street: Should you book profit or hold

NEW DELHI. The shares of Kross Limited made a flat debut at Dalal Street listing at its issue price of Rs 240 on Monday.

The grey market premium for Kross Limited IPO was showing a marginal gain ahead of its listing and had also received decent bids.It was subscribed 17.66 times, with the retail category subscription being 11.26 times, the Qualified Institutional Buyers (QIB) category 24.55 times, and the Non-Institutional Investors (NII) category 23.40 times by September 11, 2024.Shivani Nyati, Head of Wealth, Swastika Investmart Ltd said that Kross Limited, a leading player in the organised trailer axle manufacturing industry, made a subdued debut on the stock market, listing at Rs. 240 per share, exactly matching its issue price.

This flat performance is likely influenced by other IPO listings and potential concerns specific to Kross Limited.She further said that despite a decent subscription of 17 times, the listing's lack of premium indicates a cautious approach from investors. While the company boasts strong fundamentals like backward integration, long-term client relationships, and consistent financial growth, the industry's relatively high valuation and potential challenges might have tempered investor enthusiasm.

"Investors who participated in the IPO may consider holding their shares while closely monitoring the company's performance and market conditions and keeping a stoploss at the issue price," said Nyati.The bidding for Kross IPO began on September 9, 2024, and concluded on September 11, 2024. The price band for the Kross IPO was set between Rs 228 and Rs 240 per share. The minimum number of shares for an application is 62. Retail investors need to invest at least Rs 14,880.

Gold, silver price : Precious metals record hike on MCX

NEW DELHI. Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Monday, September 16, 2024.Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 73,670 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 155 or 0.21 per cent. The previous close was recorded at Rs

73,515.

Meanwhile, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a marginal hike of Rs 972 or 1.09 per cent and were retailing at Rs 90,152 per kg on the MCX against the previous close of Rs 89,180.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

Centre to launch digital platform BHASKAR to strengthen start-ups

BENGALURU. With an aim to strengthen the start-up ecosystem, the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT) will launch a digital platform - The Bharat Startup Knowledge Access Registry (BHASKAR) initiative, under the Startup India program on Monday.

This is a platform designed to centralise, streamline, and enhance collaboration among key stakeholders within the entrepreneurial ecosystem, including start-ups, investors, mentors, service providers, and government bodies.The commerce ministry said the primary goal of BHASKAR is to build the world's largest digital registry for stakeholders within the start-up ecosystem.

The platform will offer key features including networking & collaboration, providing centralised access to resources, creating personalised identification, apart from enhancing discoverability and supporting the country's global brand.There are over 1,46,000 DPIIT-recognised start-ups in the country, and BHASKAR seeks to leverage this potential by providing an all-encompassing, one-stop digital platform that addresses the challenges faced by entrepreneurs and investors alike, the ministry said. BHASKAR will help unlock the full potential of the country's start-up ecosystem.

The commerce ministry said BHASKAR is poised to redefine the country's start-up landscape and create a more connected, efficient, and collaborative environment for entrepreneurship.By providing personalised BHASKAR IDs for each stakeholder, the platform will facilitate easier interaction, enhance searchability, and allow for efficient discovery of relevant opportunities and partnerships, it added.For years, Google gave its ad exchange, called AdX, the first chance to match a publisher's proposed floor price. For instance, if a publisher wanted to sell a specific ad impression for a minimum of 50 cents.

'Can afford, but won't buy': Edelweiss MF Radhika Gupta CEO on not owning luxury cars

Edelweiss MF Radhika Gupta CEO currently owns an Innova, which is known for its practicality and reliability rather than for being a luxury car.

NEW DELHI. The allure of luxury cars can tempt anyone, but for Edelweiss Mutual Funds CEO Radhika Gupta, the choice is clear: she simply won't buy one.

In a world where status symbols often drive our spending, her decision to stick with a humble Innova rather than splurge on a flashy ride might surprise many. But as she shared in a recent podcast, it's not about what she can afford—it's about what truly adds value.Radhika Gupta said that despite having the financial capacity to own a luxury vehicle, she chooses not to.She considers luxury cars a 'depreciating asset,' meaning their value decreases over time. In the podcast, she explained that this is one of the main reasons she avoids buying one, despite the temptation.She currently owns an Innova, which is known for its practicality and reliability rather than for being a luxury car.Reflecting on her middle-class upbringing, Gupta admitted that earlier in her career, not owning designer or expensive items made her feel insecure. But over time, her perspective has changed, and she no longer feels the need to prove her worth through expensive possessions."I can't get myself to buy a luxury car. I can afford it, but I can't buy it. Every time I tell myself, 'I'm going to get a bonus, I'll buy myself a fancy car,' I remind myself that a car is a depreciating asset. I don't drive, and even if I take it out, 30% of its value will be gone," Gupta shared during the

podcast.

She further spoke about how her relationship with money has evolved over the years.

"Eighteen years ago, when I graduated from college, people would say, 'Oh! You don't have a fancy handbag?' and I would feel insecure about it. Now, if someone says: 'Why are you driving an Innova?' I can confidently say, 'My place, my life.' I don't feel the need to prove anything to anyone anymore."

What is a depreciating asset?

Gupta's reference to luxury cars as depreciating assets points to an important financial concept. A depreciating asset is something that loses value over time due to factors such as age, wear and tear, or changing preferences.

Imagine purchasing a new car for Rs 10 lakh. After driving it home, its value may immediately fall to Rs 9 lakh, and in a few years, it might only be worth Rs 6 lakh. This gradual decrease in value is known as depreciation.For someone like Radhika Gupta, who is mindful of how she allocates her money, buying a luxury car that will only lose value over time doesn't make financial sense. While many see luxury vehicles as a status symbol, Gupta views them as an investment that will only shrink, rather than grow

Bajaj Housing Finance shares list at 114% premium. What should investors do

NEW DELHI. Bajaj Housing Finance has made a spectacular entry on Dalal Street, listing at Rs 150 per share, a remarkable 114% premium over its IPO price. The company's shares have surged further, trading at Rs 157.98, reflecting a 125.69% premium just an hour after listing.Analysts had anticipated a strong performance, and Bajaj Housing Finance has delivered beyond expectations. The IPO was met with unprecedented enthusiasm, being oversubscribed by over 67 times with bids totaling more than Rs 3.2 lakh crore.Prashanth Tapse, Senior VP of Research at Mehta Equities Ltd, highlighted the IPO's success: "The magnificent subscription demand and record-breaking oversubscription met our expectations. Bajaj Housing Finance's debut reflects its strong market position and the confidence investors place in the Bajaj brand."Tapse highlighted that Bajaj Housing Finance's IPO not only met but exceeded expectations, doubling investors' wealth on the listing day. He remains optimistic about the company's future, citing its robust

brand and significant assets under management (AUM) of Rs 97,071 crore.The positive outlook is reinforced by the company's historical growth, with a compound annual growth rate (CAGR) of 30.9% in AUM from Fiscal 2022 to 2024.

What should investors do now?

Tapse advises cautious investors to consider booking profits, as the listing gains have surpassed initial expectations. For long-term investors, he recommends holding onto the stock, given the optimistic sector outlook and the company's strategic positioning.He believes that the housing finance sector will continue to perform well over the next 3-4 years, and Bajaj Housing Finance is well-positioned to capitalize on this growth. He also notes that the Bajaj brand, combined with strategic investments in technology and diversified funding avenues, will further enhance the company's appeal and support its premium valuation.

"Hence, considering all attributes, we strongly recommend long-term investors to 'HOLD' their positions for future growth," Tapse concludes.

Bajaj Housing Finance turns multibagger on listing: Book profits or hold for future gains

NEW DELHI. Bajaj Housing Finance shares made a stellar debut at Rs 150 on the stock exchanges, more than doubling investors' wealth in one go.

The impressive listing marked a premium of 114% over the IPO price of Rs 70, closely matching what market analysts had predicted, further underlining the strong demand for the stock.

This bumper listing was not entirely unexpected, given the IPO's massive subscription rate and the high grey market premium leading up to the debut.The listing success reflects investors' confidence in the company's solid financials and its association with the reputable Bajaj Group.

With this blockbuster entry on Dalal Street, the key dilemma for investors is now whether to book profits immediately or hold onto their positions for long-term gains.

Book profits now or hold for long-term gains?

Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart Ltd, commented on the stock's strong performance: "Bajaj Housing Finance, the housing finance arm of the renowned Bajaj Group, made a spectacular stock market debut,

listing at Rs. 150 per share, a staggering 114% premium over its issue price of Rs. 70."

Nyati explained that this performance was "widely anticipated, given the IPO's overwhelming subscription of 67.43 times and the sky-high grey market premium."

According to her, the listing reflects investors' strong confidence in the company's financial health, supported by the reputation of the Bajaj Group. She added that "Bajaj Housing Finance's consistent growth, coupled with its reasonable valuation, made it a highly attractive investment proposition."For those who secued IPO allotments, Nyati advised considering booking profits now. However, for investors planning to hold, she recommended "potentially setting a stop loss at Rs 135" as a precaution.She further noted the importance of "continuously monitoring the company's performance and market conditions for informed decision-making."

More than 650 offshore gaming companies evade GST: Report

NEW DELHI. The GST department has identified 658 offshore online gaming companies as non- registered/non-compliant and has initiated investigation against the same. As many 167 URL/websites have been recommended for blocking.

The investigation wing of the GST department – Directorate General of GST Intelligence (DGGI) – in its annual report has revealed that real money online gaming companies are the biggest tax evaders with Rs 82,000 crore evasion detected in FY24, which is 41% of the total Rs 2 lakh crore evasion detected during the year.

The DGGI Annual Report reveals that the department has initiated actions against 118 domestic online gaming companies, and Show Cause Notices have been issued to 34 taxpayers involving tax amount of Rs 1,10,531.91 crore. The department says that bringing offshore gaming companies under the tax net is a challenge as many such firms are set up in offshore tax havens -- Malta, Curacao Islands, British Virgin Islands, Cypress etc -- known for their opacity.

"There are online gaming platforms who keep on changing their URL/website/apps to avoid tax compliance. Use of dark web or VPN based platforms for such supply further accentuates the difficulties in tax law enforcement," says the DGGI Annual report.Meanwhile, the GST department has managed to collect Rs 2,675 crore from 574 offshore entities offering digital services to Indian entities in FY24. The annual revenue from offshore entities has increased from Rs 80 crore in FY 2017-18 to Rs 2,675 crore in FY24.In GST parlance, services that are delivered over the internet or electronic network are called Online Information and Database Access or Retrieval services (OIDAR Services). These services include cloud services, digital content, online gaming, online advertising etc. According to the DGGI, when such services are provided by an offshore entity in a taxable territory, the supplier becomes liable for obtaining registration and discharging GST on the same.The fact that service providers are located abroad and are liable to discharge tax to the Indian government for such supplies create challenges in GST enforcement, however, efforts by DGGI in reaching out to such suppliers have resulted in various such suppliers coming onboard and taking registration and discharging tax. According to DGGI, several such offshore service providers are ignorant of the law, and upon conveying the legal position clearly, such suppliers agree to comply with the GST mandate.

The department has named companies like Udemy Inc (USA), Canva Pty (Australia), OVH group (France), and Blackboard (Netherlands) who registered themselves following the efforts of DGGI and discharged significant tax liability. "However, there are other entities that are non-cooperative and appear to intentionally avoid tax compliance," says DGGI in its annual report for FY24.These include various online casinos based out of tax-havens like Malta, Cypress, Curacao, BVI etc. There are also other entities that are difficult to reach out to on account of them operating through VPN or cloud-based platforms.

Sensex, Nifty rally as Fed rate cut looms; markets stay bullish

New Delhi. Benchmark stock market indices opened higher on Monday, on hopes of US rate cuts this week.

The S&P BSE Sensex added 169.53 points to 83,060.47, while the NSE Nifty50 gained 62.55 points to 25,419.05 as of 10:25 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that globally equity markets will be focused on the Fed rate action on Wednesday which is likely to influence the stock market trend in the near-term. "The first rate cut by the Fed in four years is a foregone conclusion, the only uncertainty is about the extent of the rate cut, that is, whether the cut will be 25 bp or 50 bp. The market will also be keenly watching the Fed commentary on the evolving economic outlook," he added.Leading the gainers on Nifty50 index was NTPC with an increase of 1.41%. Adani Enterprises also performed strongly, rising 1.38%. Kotak Mahindra Bank showed growth, climbing 1.32%. Mahindra & Mahindra (M&M) and Shriram Finance rounded out the top gainers, advancing 1.20% and 1.05% respectively.On the downside, Bajaj Finance experienced the largest decline,

dropping sharply by 2.60%. Hindustan Unilever also faced significant losses, falling 2.15%. Bajaj Finserv declined by 1.95%, while Britannia Industries and SBI Life Insurance completed the list of top losers, dipping 0.84% and 0.54% respectively."Nifty which has rallied 16.7% YTD is one of the best performing stock indices in the world. Even though India's economic fundamentals and corporate earnings are strong, the single most important factor driving the Indian market now is the sustained domestic liquidity flows into the market. The resilience of the Indian market despite elevated valuations has forced FIIs to turn buyers in the cash market, where they bought on all days last week," said Vijayakumar.The IPO of Bajaj Housing Finance made a bumper debut at Dalal Street listing at a premium of 114% after having received bids worth over Rs 3.2 lakh crore.Early trading session saw modest gains in the broader market indices, alongside a slight increase in volatility. The Nifty Midcap100 index rose by 0.29%, indicating some positive sentiment towards medium-sized companies. The Nifty Smallcap100 index showed minimal movement, inching up by just 0.01%. Meanwhile, the India VIX, often called the market's fear gauge, increased by 1.19%.Since the undertone of the market continues to be bullish, it makes sense to remain invested. Among sectors, IT and pharma are showing strength.The indices that gained ground include Nifty Media rising 0.79%, Nifty Metal (0.68%), Nifty PSU Bank (0.37%), Nifty Bank (0.38%), Nifty Auto (0.22%), and Nifty Financial Services (0.10%). Nifty Realty led the gainers with a 1.18% increase, while Nifty Private Bank and Nifty Consumer Durables also saw notable gains of 0.44% and 0.77% respectively.

On the downside, Nifty FMCG experienced the largest decline, dropping 0.40%. Other indices in the red include Nifty Financial Services 25/50 (-0.11%) and Nifty IT (-0.09%). The healthcare sector showed positive movement, with both Nifty Healthcare Index and Nifty Midsmall Healthcare advancing by 0.37% and 0.24% respectively.

Kolkata rape: Ex-RG Kar principal tried to deceive investigators, says CBI

The forensic report of the polygraph test of Dr Sandip Ghosh, former RG Kar hospital principal, has revealed that he deliberately tried to deceive the CBI investigators. The report was mentioned in the federal agency's remand note that was exclusively accessed by India Today.

New Delhi: The forensic report of the polygraph test of former RG Kar hospital principal Dr Sandip Ghosh suggested that he deliberately attempted to deceive the CBI investigators in connection with the rape-murder of a trainee doctor. India Today has exclusively accessed the remand note of the federal agency which mentioned the report. It stated that Ghosh did not intend to register a First Information Report (FIR) in the gruesome case, which has shaken the entire nation and triggered massive protests.The revelation came two days after Ghosh, along with a senior police officer, Abhijit Mondal, were arrested by the CBI for the delay in filing the FIR and missing evidence in the rape-murder case.The CBI's remand note mentioned that Ghosh was subjected to layered voice analyst (LVA) and polygraph tests during the investigation.

"As per report of CFSL (forensic report), his (Ghosh) version has been found deceptive on certain important issues relating to this case," the note added.It further stated that Dr Sandip Ghosh did not intend to register an FIR in the matter despite being in consultation with a lawyer. The complaint was eventually filed by the RG Kar hospital's vice-principal, and that too by passing it off as a suicide.The CBI remand note stated that the former RG Kar principal had been in touch with Abhijit Mondal since 10.03 am on August 9, when the trainee doctor's semi-naked body was found inside the seminar hall. Ghosh, however, tried to downplay the rape.Dr Sandip Ghosh also did not go to the hospital immediately, even though information about the body found was conveyed to him at 9.58 am on August 9.

Last month, the Calcutta High Court gave the CBI a three-week deadline to submit a progress report on their ongoing investigation into the Kolkata rape-murder. The federal agency is expected to present the report tomorrow.Ghosh was earlier arrested by the CBI in a separate case pertaining to the alleged financial fraud in the RG Kar hospital and underwent a polygraph test.Kolkata Police arrested a civic volunteer, Sanjoy Roy, on August 10 - a day after the 31-year-old trainee doctor's body was found. The doctor's autopsy suggested she was brutally raped before being murdered.

Mukhtar Ansari died of heart attack, not slow poisoning: Report

New Delhi: Gangster-turned-politician Mukhtar Ansari died of a heart attack, a report by the District Magistrate (DM) of Uttar Pradesh's Banda district said, re-affirming the findings of the post-mortem report.Ansari died of a cardiac arrest at a hospital in Banda in March this year at the age of 63. A five-time MLA from the Mau Sadar seat, he was in jail in Uttar Pradesh and Punjab since 2005. He had over 60 criminal cases pending against him.Ansari was sentenced in eight cases since September 2022 by different courts in Uttar Pradesh and was lodged in the Banda jail, where he died in March this year.After the death of the gangster-turned-politician, his family alleged that he died due to a "slow poisoning" in

Banda's District Jail.Mukhtar Ansari's son Umar Ansari claimed that his father was subjected to "slow poisoning" in prison, and also demanded that his post-mortem be conducted by AIIMS doctors in Delhi and a magistral probe of the death.Speaking to the media, Umar Ansari said his father was given poison through the food served to him, which led to his death.After the accusation, a probe was ordered by the District Magistrate of Banda, which confirmed that Ansari died after suffering a heart attack in jail. The DM's report has been sent to Uttar Pradesh's secretariat for necessary action.According to sources, during the probe, the samples of salt, jaggery, and chickpeas found in Mukhtar Ansari's barrack were sent for forensic examination, which did not confirm the presence of any poisonous substance.Statements by security personnel who were deployed in Mukhtar Ansari's barracks, the doctors from the jail, Banda Medical College who treated him, and the panel of doctors who conducted his post-mortem, were also recorded during.

Centre deliberating on adding caste column to census, no decision yet: Sources

New Delhi: The Centre is considering to add a caste column to the census, which has been delayed due to the Covid-19 outbreak, government sources told India Today. The country has been conducting censuses every ten years, starting from 1881.Parties across the political spectrum have been demanding a caste census.In August, while citing data from India Today's Mood of the Nation (MOTN) survey, Leader of the Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi said, "Modiji, if you are thinking of stopping the caste census, you are dreaming — no power can stop it now. India's order has come — soon 90 percent of Indians will support and demand a caste census. Implement the order

now, or you will see the next Prime Minister doing it."

According to the MOTN survey, 74 per cent of respondents were in support of a caste census, an increase from 59 per cent in February when the survey was last conducted.Not just the opposition, some allies of the BJP, like MP Chirag Paswan's LJP and Nitish Kumar's JD(U) in Bihar, have also been advocating for a nationwide caste census.Calls for a national caste census emerged after Nitish Kumar's Janata Dal (United), the ruling party in Bihar, released the results of a statewide caste survey. The survey, released in October last year, revealed that over 80 percent of the state's population belongs to extremely backward classes.Earlier, after an uproar over the lateral entry hiring in government jobs broke out, Paswan clarified that his party has always been in favour of the caste census.The implementation of the Women's Reservation Act, passed by Parliament last year, is also tied to the completion of the ten-year census. The act reserving one-third of the seats for women candidates in the Lok Sabha and state assemblies is likely to come into effect after an exercise of delimitation will begin after the figures of the census come.

5-Year-Old Attacked, Injured By Pack Of Stray Dogs In Pune

New Delhi: A five-year-old child was severely injured after being attacked by a pack of dogs in Chakan in Pune district in Maharashtra.In a shocking video (the incident was captured by a nearby CCTV camera), the young boy can be seen standing by the side of a partly-flooded dirt road and waving away at a black dog. The boy does not move toward the dog and does not appear to make any threatening gesture.Seconds later a second dog sprints forward from the boy's right hand side. The dog attacks the boy before he can run away. The CCTV feed captures the young boy's scream as the dog attacks.

As soon as the boy is thrown to the ground at least half-a-dozen other dogs converge, barking and surrounding the boy, who continues screaming. The terrified boy is soon pinned on the ground and the dogs circle around, even seeming to jump on the young child.His screams and the dogs' barking bring a woman racing out of a nearby house. She throws a few stones at the dogs but they continue their attack, seeming to drag the child into nearby bushes. Then two men appear on the scene and rush at the dogs, who then race away.This disturbing incident has reignited the debate over attacks by stray dogs in Pune, and other parts of the country. Last month there was a horrific incident from Telangana's Rajanna Sircilla district in which an elderly woman was killed by pack of stray dogs which then ate parts of her body.These incidents, in addition to several in Uttar Pradesh and Kerala over the past few months have led to renewed calls for stricter measures to control stray dog populations.

Two female Indian Navy officers to embark on global sailing expedition

New Delhi: Two female officers from the Indian Navy are set to embark on a global sea expedition, the Navy announced on Sunday.The Navy announced that Lieutenant Commanders Roopa A and Dilna K will soon embark on the 'extraordinary expedition" as part of the second Navika Sagar Parikrama aboard INSV Tarini. Both officers have been preparing for the mission over the past three years."Indian Navy has made significant efforts to revitalise the sailing tradition, emphasising its commitment to preserve

maritime heritage and promote seamanship skills," it said in a statement.

The officers were part of a six-member crew that participated in a trans-oceanic expedition from Goa to Rio de Janeiro, Brazil, via Cape Town, South Africa, and back.They also completed a sailing expedition from Goa to Port Blair and back in double-handed mode. Earlier this year, both officers successfully undertook a sortie from Goa to Port Louis, Mauritius, again in double-handed mode, the Navy stated.Both officers are being trained under the mentorshi of ace circumnavigator and Golden Globe Race winner, Commodore Abhilash Tomy (Retired).

Sagar Parikrama would be a gruelling voyage requiring extreme skills, physical fitness, and mental alertness. The officers have been training rigorously and gained thousands of miles of experience under their belt," the Navy said.The Navy also unveiled the logo of the Navika Sagar Parikrama."The circumnavigation of INSV Tarini will be a significant step forward in India's ocean sailing enterprise and maritime endeavours, showcasing the nation's growing prominence in global maritime activities and gender equality on the high seas," the navy added.

Key accused in attacks on Manipur-Assam border areas arrested in Guwahati

New Delhi:AAP leader Manish Sisodia will meet Arvind Kejriwal at his residence today where the two are likely to discuss probables for the Delhi Chief Minister's post day after Kejriwal's Sunday bombshell that he will resign. As feverish speculation began on the likely contenders, the Opposition sneered at Kejriwal's move as a "PR stunt" and a "mere gimick" in a bid to correct his image.Arvind Kejriwal, who was released from the Tihar Jail on Friday after the Supreme Court granted him bail in the liquor policy case, announced his decision in his first address to AAP leaders and workers.

He had also said that a legislative party meeting is expected to be held within the next two days to decide on his replacement."I am going to resign from the Chief Minister's position after two days. I will not sit in the Chief Minister's chair until the people give their verdict... I will go to every house and street and not sit in the Chief Minister's chair till I get a verdict from the people," he said.

Assam Police have arrested a key suspect involved in a series of sabotage activities in violence-hit Manipur. The suspect, identified as LS Yosef Chongloi, 34, was arrested by Assam Police's Special Task Force (STE) from Guwahati on Friday.Chongloi, a native of Churachandpur district in Manipur, is believed to be a senior member of the United Kuki National Army (UKNA), a militant group active in the region. Authorities have described him as the "self-styled Finance Secretary" of the UKNA, and he is suspected of orchestrating multiple acts of sabotage in both Manipur and the bordering areas of Assam.The UKLA is not part of the Suspension of Operations (SoO) agreement in Manipur.Chongloi is allegedly involved in sabotage activities, including a bomb attack that destroyed a crucial bridge on National Highway-2 in Manipur's Saparmeina in April and orchestrating an armed attack on a convoy of the 10th Central Reserve Police Force (CRPF) in the Tamenglong district, targeting key infrastructure and security forces in the region.

Manipur Police, working closely with their counterparts in Assam, confirmed the arrest and are now expanding their investigation. In a statement, Manipur authorities clarified that Chongloi had previously served in the state's Village Defence Force (VDF) but was dismissed from his post in June 2022 after an extended period of unauthorised absence. The arrest followed reports linking him to a controversial Facebook profile where he appeared in a Manipur Police uniform, though authorities now confirm his dismissal.

India launches 'Operation Sadbhav' to help typhoon-hit Myanmar, Laos and Vietnam

India has launched "Operation Sadbhav", deploying emergency aid to Myanmar, Laos, and Vietnam in response to the catastrophic flooding caused by Typhoon Yagi.

New Delhi: India on Sunday launched "Operation Sadbhav", sending emergency relief supplies to flood-hit Myanmar, Laos and Vietnam to aid in their recovery from the devastating effects of a powerful typhoon.

Myanmar, Laos, and Vietnam are grappling with severe flooding following the landfall of Typhoon Yagi, which is being called Asia's most powerful storm of the year. The storm has unleashed torrential rains, causing widespread damage and displacing thousands across the region.

The typhoon that originated from the South China Sea made landfall over a week back, reportedly killing over 170 people in Vietnam and around 40 in Myanmar.The Indian Air Force (IAF) deployed its C-17 Globemaster aircraft for urgent Humanitarian Assistance and Disaster Relief (HADR) operations in Laos and Vietnam.The operation was coordinated at Hindan Air Base, where the loading process was executed with precision to ensure prompt delivery of the relief materials to the affected countries, officials said.The C-17 Globemaster, renowned for its cargo capacity and extensive range, was selected for this critical mission due to its capability to transport substantial quantities of relief materials and supplies efficiently.To Vietnam, a 35-ton consignment was sent, encompassing vital items such as water purification equipment, containers, blankets, kitchen

utensils, and solar lanterns. Meanwhile, Laos received 10 tons of urgent supplies, including generators, hygiene products, mosquito nets, blankets, and sleeping bags.

External Affairs Minister S Jaishankar said that 10 tonnes of aid including dry rations, clothing and medicines were also dispatched to Myanmar onboard the Indian naval ship INS Satpura."India launches #OperationSadbhav. Demonstrating our solidarity with the people affected by Typhoon Yagi, India is dispatching aid to Myanmar, Vietnam and Laos," Jaishankar said on 'X'."10 tons of aid including dry ration, clothing and medicines left for Myanmar onboard @indiannavy INS Satpura today," he said.

According to the Indian Navy, the Eastern Naval Command in coordination with Eastern Fleet and other supporting units successfully completed the overnight loading of HADR pallets including drinking water, rations and medicines onto an Indian naval warship destined from Visakhapatnam for operations in Yangon in Myanmar."This rapid mobilisation comes despite the short notice, showcasing the Navy's ability to swiftly respond to humanitarian crises in the region," Navy spokesperson Commander Vivek Madhwal said.

News box

Mexico President signs into law controversial judicial reforms to elect judges

UPDATED Mexico's judicial reform overhauling the country's courts, which will allow voters to elect judges, officially took effect on Sunday after the text of the constitutional changes was published in the government gazette.

The reforms mark a major legislative victory in President Andres Manuel Lopez Obrador's final weeks in office.Lopez Obrador, who often clashed with judges he derided as corrupt, argued the overhaul was needed to better serve the interests of ordinary citizens. Critics countered that electing judges rather appointing them, would end the judiciary's political independence while undermining investor confidence.The reform was championed by Lopez Obrador, and approved by his allies in

Congress and a majority of state legislatures earlier this month.Lopez Obrador signed a decree for the reform's publication while sitting next to his successor, Claudia Sheinbaum, in a video posted on social media.The constitutional reform's publication in the government's gazette kicks off the process to prepare for the first judicial elections for federal judges, including Supreme Court justices, set for next June.

Typhoon Bebinca makes landfall in Shanghai, worst storm in 75 years

UPDATED: Typhoon Bebinca made landfall in Shanghai on Monday morning as a Category 1 storm, the most powerful tropical cyclone to directly hit the Chinese financial hub in more than seven decades.Packing top wind speeds of 151 kph (94 mph) near its eye, Bebinca landed in the city of nearly 25 million around 7.30 am (2330 GMT), state media reported, the strongest storm to strike Shanghai since Typhoon Gloria in 1949.Shanghai is rarely subject to direct hits from strong typhoons that generally make landfall further south in China. Yagi, a destructive Category 4 storm, roared past southern Hainan province last week.Hundreds of flights have been cancelled from the city's two airports since Sunday night and Shanghai railway station has suspended some rail services. These disruptions come as China celebrates the three-day mid-Autumn Festival public holiday.Resorts in Shanghai, including Shanghai Disney Resort, Jinjiang Amusement Park and Shanghai Wild Animal Park, have been temporarily closed and many ferries halted.

Who is Ryan Routh, Ukraine supporter arrested for shooting at Trump in Florida

World The incident occurred just two months after an earlier assassination attempt in Butler, Pennsylvania, where former President Trump was shot in the ear during a campaign rally.

Routh, a North Carolina resident with an extensive criminal record, has been vocal about politics and has consistently supported Ukraine, Democratic candidates and causes since 2019.Earlier, in one of the interviews, Routh claimed that he initially went to Ukraine at the start of the war with Russia to

"fight" to support the Ukrainians. He stated that after reaching Kyiv he helped in recruiting people to participate in the Russia-Ukraine war."We need everyone here fighting... that's why I'm in Kyiv, so every project that I promote is about getting people here to support the Ukrainians," he stated.He attended North Carolina Agricultural and Technical State University and later relocated to Hawaii around 2018, according to media reports.The 58-year-old was reportedly a supporter of both Vivek Ramaswamy and Nikki Haley in the upcoming elections before they decided to drop out.

In one of his posts, he urged the to not drop their names from the 2024 presidential race: "You cannot quit. Why? You must stay on the ballot until the end. You must fight. Keep giving speeches and push all the way to Election Day, no matter the outcome. Do not give in. Join Nikki and keep working. Never give up," he wrote, encouraging the former presidential candidate.In a post on X from April 22, he slammed Trump, emphasising, "Democracy is on the ballot.

Hamas has enough resources to continue war with Israel despite losses: Official

A senior Hamas official stated that the Palestinian Islamist movement has sufficient resources to continue its resistance against Israel, despite significant losses in the ongoing Gaza conflict.

Istanbul. A senior Hamas official told AFP on Sunday that the Palestinian Islamist movement had ample resources to continue fighting Israel despite losses sustained over more than 11 months of war in Gaza."The resistance has a high ability to continue," Osama Hamdan told AFP during an interview in Istanbul."There were martyrs and there were sacrifices... but in return there was an accumulation of experiences and the recruitment of new generations into the resistance."His comments came less than a week after Israeli Defence Minister Yoav Gallant told journalists that Hamas, whose October 7 attack triggered the war, "no longer exists" as a military formation in Gaza."The number of casualties... is much less than what is expected in a battle of this size, level and breadth," Hamdan said on Sunday.Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu launched retaliatory military operations to destroy Hamas after the group's surprise attack on southern Israel, which resulted in the deaths of 1,205 people, mostly civilians, according to an AFP tally based on Israeli official figures.

The Israeli military campaign has killed at least 41,206 people in Gaza, according to the Hamas-run territory's health ministry, which does not provide breakdowns of civilian and militant deaths.Militants also seized 251 hostages on October 7, 97 of whom are still held in Gaza, including 33 the Israeli military says are dead.Netanyahu is facing mounting domestic pressure to seal a deal in which hostages would be released in exchange for Palestinian prisoners.Israel's announcement this month that the bodies of

six hostages had been recovered from a tunnel in Gaza after they were "executed" by Hamas spurred an outpouring of grief and anger, leading to a brief general strike and large-scale demonstrations that continued in Tel Aviv and Jerusalem on Saturday night.But months of negotiations aimed at securing a truce -- mediated by the United States, Egypt and Qatar -- have apparently stalled.In the interview on Sunday, Hamdan said the United States, Israel's most important military backer, was not doing enough to force concessions from Netanyahu that would end the bloodshed."The American administration does not exert sufficient or appropriate pressure on the Israeli side," Hamdan said."Rather it is trying to justify the Israeli side's evasion of any commitment."During two press conferences after officials announced the deaths of the six hostages earlier this month, Netanyahu said it was Hamas who refused to compromise and vowed "not to give in to pressure" on remaining sticking points.

He also said Israel's military campaign had killed "no less than 17,000" Hamas militants.

Hong Kong man pleads guilty to sedition for wearing t-shirt with protest slogan

UPDATED A Hong Kong man on Monday pleaded guilty to sedition for wearing a T-shirt with a protest slogan, becoming the first person convicted under the city's new national security law passed in March.

Chu Kai-pong, 27, pleaded guilty to one count of "doing with a seditious intention an act".Under the new security law, the maximum sentence for the offence has been expanded from two years to seven years in prison and could even go up to 10 years if "collusion with foreign forces" was found involved.Chu was arrested on June 12 at an MTR station wearing a T-shirt with the slogan "Liberate Hong Kong, revolution of our times" and a yellow mask printed with "FDNOL"- the shorthand of another slogan "five demands, not one less".Both slogans were frequently chanted in the huge, sometimes violent pro-democracy protests in 2019 and June 12 was a key kick-off day of the

months-long unrests.Chu told police that he wore the T-shirt to remind people of the protests, the court heard.

Chief Magistrate Victor So, handpicked by the city leader John Lee to hear national security cases, adjourned the case to Thursday for sentencing.Hong Kong was returned from Britain to China in 1997 under Beijing's promise of guaranteeing its freedoms, including freedom of speech, would be protected under a "one country, two systems" formula.Beijing imposed a national security law in 2020 punishing secession, subversion, terrorism or collusion with foreign forces with up to life in prison, after the months-long protests in the financial hub.In March 2024, Hong Kong passed a second new security law -- a home-grown ordinance also known as "Article 23" according to its parent provision in the city's mini constitution, the Basic Law.Critics, including the U.S. government have expressed concerns over the new security law and said the vaguely defined provisions regarding "sedition" could be used to curb dissent.Hong Kong and Chinese officials have said it was necessary to plug "loopholes" in the national security regime.

8 dead as heavy rain lashes central Europe, thousands evacuated due to floods

UPDATED The death toll from flooding in central Europe rose to eight on Sunday as thousands of people were evacuated from their homes in the Czech Republic following days of torrential rain that caused rivers to burst their banks in several parts of the region.

A low-pressure system named Boris has triggered downpours from Austria to Romania, leading to some of the worst flooding in nearly three decades in hard-hit areas in the Czech Republic and Poland.

More rain and strong winds are forecast until at least Monday, though the rain eased on Sunday in Romania, which bore the brunt of flooding a day earlier. Thousands of homes have been damaged over the weekend, bridges swept away and at least 250,000 households - mainly in the Czech Republic - were affected by power cuts.One person drowned in southwestern Poland on Sunday, a firefighter taking part in rescue efforts was killed in Austria and two more people were killed in Romania, where the floods claimed four lives on Saturday.

In Lower Austria, the province surrounding Vienna where government officials said the firefighter had died, authorities declared the area a disaster zone and warned against non-essential travel.

A bridge collapsed in the historic Polish town of Glucholazy near the Czech border and local officials ordered evacuations early on Sunday. Local media said another bridge collapsed in the mountain town of Stronie Slaskie, where a dam burst, according to the Polish weather institute.

Polish Prime Minister Donald Tusk, who visited nearby flooded areas, said on the X platform the government would announce a state of disaster and seek European Union aid.

In the neighbouring Czech Republic, police said they were searching for three people who were in a car that plunged into the river Staric on Saturday near Lipova-lazne, a village about 235 km (146 miles) east of the capital, Prague. Rainfall in the area has reached about 500 mm (19.7 inches).

No one is even trying to assassinate...: Elon Musk on Trump Florida shooting

World Tech billionaire Elon Musk reacted to the second "assassination attempt" on former US President Donald Trump and made a controversial statement saying why "no" assassination attempts are being made on US President Joe Biden and Vice President Kamala Harris.Responding to a question from an X user," Why they want to kill Donald Trump?", the Tesla CEO said, "And no one is even trying to assassinate Biden/Kamala".Former US president and Republican presidential candidate Donald Trump on Sunday (local time) faced the second assassination attempt after gunshots were fired outside a golf course in Florida where he was playing.The suspect left an AK-47-style assault rifle and other items at the scene and fled in a vehicle but was later arrested by US investigative agencies.The apparent attempt on Trump's life came just two months after he was shot at a campaign rally in Pennsylvania, sustaining a minor injury to his right ear.After the incident, Trump Campaign Communications director, Steven Cheung said, "President Trump is safe following gunshots in his vicinity. No further details at this time."

In a message to his supporters, Trump said he is safe."There were gunshots in my vicinity, but before rumors start spiraling out of control, I wanted you to hear this first: I AM SAFE AND WELL! Nothing will slow me down. I will NEVER SURRENDER!" the former president said.In July this year, Musk extended his support to Donald Trump in the coming US Presidential polls.The former President also praised Musk for his cost-cutting measures at the social media company and also hinted at a role for the Tesla CEO if he wins the presidential polls in November.

Philippines ship leaves disputed South China Sea reef after standoff with Beijing

A Philippine vessel has left a disputed reef in the South China Sea. The ship had been asserting Manila's territorial claims since April.

Manila A Philippine vessel that spent months anchored at a disputed reef in the South China Sea has left the area, the national maritime council said Sunday.The Philippine Coast Guard ship BRP Teresa Magbanua had been anchored inside the Sabina Shoal since April to assert Manila's claims to the area and prevent China from seizing it.Beijing has continued to press its claims to almost the entire South China Sea despite an international tribunal ruling that its assertion has no legal basis.Philippine and Chinese vessels have collided at least three times recently near Sabina Shoal, located 140 kilometres (86 miles) from the Philippines' western island of Palawan and 1,200 kilometres from China's nearest major landmass, Hainan island.The Teresa Magbanua's bridge wing and freeboard were damaged in one of the collisions.

"During her deployment... she challenged an encirclement by a larger flotilla of intruders, battled inclement weather, with her crew surviving on diminished daily provisions," National Maritime Council Chairperson Executive Secretary Lucas Bersamin said in a statement Sunday.Last month Chinese vessels blocked a resupply mission to the Filipino sailors on board the ship, leaving them running critically low of food and other provisions.

'Overwhelming odds'

The Teresa Magbanua "carried out her sentinel duties against overwhelming odds", Bersamin added.China's coast guard noted the ship's withdrawal on Sunday, and said Beijing "has indisputable sovereignty over... Xianbin Jiao and

its adjacent waters", using the Chinese name for Sabina Shoal.Manila's actions had "seriously infringed on China's territorial sovereignty... seriously undermining regional peace and stability", spokesperson Liu Dejun said in a statement."We sternly warn the Philippines to stop inciting propaganda and risking infringements, and to meet China halfway to safeguard the seriousness and validity of the Declaration on the Conduct of Parties in the South China Sea," Liu said.Beijing "will continue to carry out rights protection and law enforcement activities in waters under China's jurisdiction", Liu said.

Philippines National Maritime Council Spokesman Alexander Lopez said the country would "continue to monitor and enforce our rights, exercise our rights, sovereign rights, sovereignty and jurisdiction over the area".

Earlier this week officials from the Philippines and China held high-level talks on their maritime issues where Beijing reiterated its demand for the withdrawal of the Philippine vessel.The latest situation has echoes of 2012, when Beijing took control of Scarborough Shoal -- another strategic feature about 240 kilometres west of the Philippines' main island of Luzon.

New York City mayor's top counsel quits amid multiple government probe

Lisa Zornberg, after resigning, stated that she could no longer "effectively serve" in her position. Mayor Eric Adams thanked Zornberg for the work she did for his administration for 13 months.

UPDATED The top legal adviser to New York City Mayor Eric Adams resigned abruptly over the weekend, the latest sign of instability in the Democrat's administration as it deals with multiple federal investigations.City Hall announced Lisa Zornberg's departure late Saturday night. She had advised Adams and other city officials on legal strategy for over a year and often parried legal questions from the press on his behalf. She was not his personal lawyer."It has been a great honor to serve the City. I am tendering my resignation, effective today, as I have concluded that I can no longer effectively serve in my position. I wish you nothing but the best," Zornberg wrote in a three-sentence resignation letter to Adams.The resignation comes after the phones of multiple members of Mayor Eric Adams' inner circle were seized by federal investigators, including the head of New York City's police department, who resigned ThursdayZornberg, a former federal prosecutor in the U.S. attorney's office now leading some of the investigations into the Adams administration, wasn't one of the officials who had their phones seized.The police commissioner, Edward Caban resigned citing the "distraction" created by news of the investigations.Federal authorities haven't disclosed the subjects of the investigations. Besides the police commissioner, phones were taken from the head of the public schools system, a top deputy mayor, and two top advisers to Adams on public safety issues.

Investigators seized devices from Caban's twin brother, James Caban, a former NYPD sergeant who runs a nightclub security business. They also conducted searches related to Terence Banks, who is the brother of Adams' top deputy on public safety, Phil Banks, and Education Chancellor David Banks.In separate investigations, federal authorities have previously seized phones from Adams, searched the home of one of his top campaign fundraisers, and searched two homes linked to his director of Asian affairs.

Adams has denied any knowledge of wrongdoing.Adams said an interim replacement for Zornberg would be announced in the coming days.

"We appreciate all the work Lisa has done for our administration and, more importantly, the city over the past 13 months," Adams said in a statement. "These are hard jobs, and we don't expect anyone to stay in them forever. We wish Lisa all the best in her future endeavors."

NEWS BOX

Paris St-Germain condemn online racism towards Nuno Mendes after Ligue 1 win

Paris Paris St-Germain (PSG) have condemned the online racist abuse directed at their defender, Nuno Mendes, following their 3-1 win over Brest in Ligue 1 on Saturday. The club has expressed full support for the Portuguese left-back after Mendes, 22, shared the offensive comments he received on his Instagram story.

The incident occurred after Brest took the lead through a penalty conceded by Mendes, who brought down Ludovic Ajorque in the first half. Romain del Castillo converted the spot-kick, putting the visitors ahead. Despite this setback, PSG rallied to secure a comeback victory, thanks to two goals from Ousmane Dembele and a strike from Fabian Ruiz.In an official statement, PSG reiterated their zero-tolerance stance toward racism and discrimination. "Paris St-Germain doesn't tolerate racism, antisemitism, or any other form of discrimination," the club stated. "The racial insults directed at Nuno Mendes are totally unacceptable. We stand firmly by Nuno and all those affected and are working with relevant authorities to ensure those responsible are held accountable."The club

emphasized its commitment to promoting inclusion and respect both on and off the pitch, adding, "Racism has no place in football, and we will continue to uphold the values of tolerance and respect that define our club."Mendes, who has been a key player for PSG since joining the club from Sporting Lisbon in 2021, has made 80 appearances in all competitions. He initially arrived on loan before making his move permanent in May 2022.

PSG's win over Brest extends their perfect start to the Ligue 1 season, keeping them ahead of rivals Marseille and Monaco at the top of the table. The team's focus now shifts to their Champions League opener against Girona, with confidence running high after four consecutive league vi

R Ashwin picks Jasprit Bumrah as most valuable Indian cricketer over Rohit-Kohli

New Delhi. India off-spinner Ravichandran Ashwin ignored star batters Virat Kohli and Rohit Sharma while naming his most valuable Indian cricketer right now and gave the honour to speedster Jasprit Bumrah. Notably, Bumrah has been phenomenal with the ball ever since his comeback in international cricket in August 2023.

He was the fourth-highest wicket-taker in the ODI World Cup 2023 with 20 wickets and later rose to the number one rank in Test bowling rankings in February 2024. Bumrah recently played a pivotal role in India's victorious campaign in the T20 World Cup 2024 having picked 15 wickets from eight matches with a record-breaking economy rate of 4.17. Courtesy of his performance, he was bestowed with the Player of the Tournament award in the T20 extravaganza.Speaking about Bumrah's stature in Indian cricket, Ashwin mentioned how he was given the same treatment as superstar Rajnikanth during his recent visit to Chennai."We Chennai people appreciate

bowlers a lot. He was here for an event as a chief guest 4-5 days ago. We gave him a Rajni treatment. We (Chennai people) treat bowlers very nicely. He should be treated as a champion. I don't want to name, but Jasprit Bumrah is the most valuable Indian cricketer right now," Ashwin said on Vimal Kumar's YouTube channel.

Bumrah's sensational return to international cricketEver since his comeback in international cricket from a back injury, Bumrah has scalped 31 wickets from six Test matches at an average of just 15.35 with two five wicket hauls. In T20Is, he has scalped 19 wickets from ten matches at an average of 8.57 at a phenomenal economy of 4.32. In ODIs, he's taken 28 wickets from 16 innings since 2023 at an average of 20.28 and an economy of 4.40.His sensational performance in the longest format saw him become just the fourth Indian bowler and first pacer to climb to the top of the Test bowling rankings. He currently holds the joint second rank in the list along with Josh Hazlewood with 847 ratings to his name.

Still feel in shadow of Shane Warne: Nathan Lyon on comparisons with spin legend

Veteran Australian off-spinner Nathan Lyon admitted that he still feels the pressure of succeeding Shane Warne as the country's premier spinner, even after a decade at the helm.

New Delhi. Australia's star off-spinner Nathan Lyon recently opened up about the immense pressure he faced at the start of his career, stepping into the shoes of the legendary Shane Warne. Lyon, now one of modern cricket's finest spinners, reflected on the constant comparisons with Warne and the challenges that came with it. In a candid conversation, the 36-year-old revealed how difficult it was to cope with the expectations placed on him by the media and Australian cricket fans who were desperate for the next big spin sensation after Warne's retirement.

Warne, who retired in 2007 with a staggering 708 Test wickets, left behind a legacy that weighed heavily on those who followed. Lyon, who made his Test debut four years later in 2011, found himself under the intense scrutiny of a cricketing nation still yearning for another "King of Spin."

"I probably struggled with it early doors because you would be trying your hardest every game, but I feel like the media and the Australian public were asking, 'who's the next spinner? We need a spinner to do what Shane Warne did on the last day,'" Lyon told Sky Cricket. "And I'm 10 matches into my first-class career. I'm never going to be able to do what Warnie did. Warnie's once-in-a-generation, he's the greatest to play the game in my opinion."Lyon, who has now played 129 Test matches and claimed 530 wickets at an average of 30.28, admitted that despite his achievements, the comparisons to Warne persisted throughout his career. Although he now feels more comfortable with this, the early years were particularly tough as he grappled with trying to live up to the impossible standard set by Warne.

"All I wanted to do was make my family proud and make Shane Warne proud and just go out there and compete," Lyon added, acknowledging the constant pressure.

Reflecting on his journey, Lyon revealed that it took several years to understand and embrace the idea that pressure is a privilege. He explained that being compared to Warne, despite the challenges, was a testament to his standing in the game."I still feel in the shadow of Shane Warne now and I'm 129 Test matches in with 530 wickets," Lyon remarked. "The thing is, I'm happy with that, and I'm comfortable with that now. A lot of us felt the pressure of Shane Warne's shadow... and it probably took me a good five, six, seven years to understand that pressure is a privilege. And if you've got pressure, you're doing OK, enjoy it."

England continue to be cautious as Jofra Archer returns to ODIs after 18 months

England vs Australia: Jofra Archer will not feature in all five ODIs against Australia as the team management will continue to manage his workload. England and Australia will meet in a five-match series from September 19 to 29. It marks Archer's return to the 50-over format after 18 months.

New Delhi. England's interim coach Marcus Trescothick said they will continue to monitor Jofra Archer's workload in the upcoming five-match ODI series against Australia. Archer will be rested for a couple of games in the ODI series, which will be crucial to England and Australia's preparations for the Champions Trophy next month. England and Australia will meet in th ODIs from September 19 to 29 across five venues.

Archer proved his worth for England in the recently-concluded T20I series, nailing yorkers at will in the season opener in Southampton. Archer bowled 3.3 overs and picked up two wickets before he was rested for the second T20I in Cardiff. Archer was due to play the final match of the series in Manchester, but the series finale was washed out due to rain on Sunday, September 15.

Archer was picked in England's squad for the ODI series, marking his return to the 50-over format for the first time since England's tour of Bangladesh in March 2023. Trescothick highlighted the jump in workload for Archer in the 50-over format of the game, adding that everybody in the team, including the fast bowler, is well aware of the plan.Archer has been struggling with elbow and back injuries and has been in and out of the senior national team since the start of 2020.

"He (Archer) knows the plan. It's discussed long in advance of picking the team on each day. We know what we're doing with him, and where we're going. He is comfortable: he knows what he is doing," Trescothick said."That's a bigger structure, in terms of what we're trying to do with Jofra. You come into the series knowing what we've got and what we can do with him. That's an agreed plan between the coaches, directors, physios and all the different people. We'll still be managing him in the ODIs - exactly the same thing," he added.Captain Jos Buttler, who will miss the ODI series with an injury, also stressed the need to manage Jofra Archer's workload, saying he will be allowed to gradually get used to 50-over cricket after having been eased into international cricket this year.Archer played two T20Is in May against Pakistan before featuring in the T20 World Cup. Archer's workload was managed in the recently-concluded Hundred before he was picked for both the T20I and the ODI series against Australia.England will look to have a fully fit Archer for the Champions Trophy in February-March next year. The pacer, despite the nagging injury concerns over the last four yeas, has not given up hopes of returning to Test cricket during the Ashes next year.

D Gukesh is favourite to win World Chess Championship match: Ding Liren

New Delhi. Defending World Chess Champion Ding Liren has labeled his Indian challenger, D Gukesh, the favorite to win their much-anticipated World Chess Championship showdown in November. Liren acknowledged his dip in form over the past year, giving Gukesh the upper hand as the two gear up for the high-stakes contest.Currently, both Gukesh and Liren are competing in the 45th Chess Olympiad, where the Indian team has been in dominant form with five consecutive victories. The Indian squad, comprising Gukesh, R Praggnanandhaa, Vidit Gujrathi, and Arjun Erigaisi, is tied for the top spot with Liren's Chinese team and hosts Hungary.

"I can see my opponent (Gukesh) playing extremely well in this tournament. Maybe he is a favorite in the World Championship

match. He also has a higher rating than me," Liren said in an interview with the International Chess Federation (FIDE). "I have dropped a lot since last year, but I will fight my best to try to overcome the rating difference."Liren, 31, one of the highest-rated chess players in history, claimed the world title in May 2023 after defeating Russian Grandmaster Ian Nepomniachtchi. However, following his championship win, he took a break from chess to address personal struggles, including a battle with depression. He returned to competitive action earlier this year at the Tata Steel Chess Tournament, where he finished ninth.Gukesh, who earned his spot as theworld title challenger after winning the Candidates Tournament in April, turned 18 this May, making him the youngest contender in history. The World Chess Championship match between Gukesh and Liren will be held in Singapore from November 20 to December 15, with a prize fund of USD 2.50 million. If Gukesh triumphs, he will become the first Indian to claim the title since the legendary Viswanathan Anand, who won it five times.

Despite the excitement surrounding the match, Gukesh remains focused on the ongoing Chess Olympiad and has been reserved about his future plans. "This is an important tournament.

Ishan Kishan posts two-word message after superb hundred in Duleep Trophy

Wicketkeeper Ishan Kishan posted a two-word caption with his photo after a superb hundred in the second round of the Duleep Trophy. Ishan did not play for Team India in 2024.

New Delhi. Indian wicket-keeper batter Ishan Kishan made a significant return to red-ball cricket, smashing a superb hundred in the Duleep Trophy to reignite talks of his comeback to the Indian national team. Playing for India C, Kishan scored 111 runs off 126 balls, showcasing his aggressive strokeplay and undeniable talent. His performance comes after a prolonged absence from red-ball cricket, marking an impressive return to the format.Kishan, who had last represented India during the tour of South Africa in 2023, withdrew from the series due to mental fatigue and has since been missing from India's playing XI. Despite his absence from Jharkhand's Ranji Trophy campaign, the wicket-keeper batter did feature in the 2024 Indian Premier League (IPL) for the Mumbai Indians. However, his absence from the Test squad left many questioning his red-ball future.

Kishan silenced his critics with a commanding century, laced with 14 fours and three sixes, playing a pivotal role in India C's innings. The young wicketkeeper shared a crucial 189-run partnership for the third wicket with Baba Indrajith, who scored 78 off 136 balls. After the game, Ishan took to Instagram to share pictures from his innings, simply captioning his post: "Unfinished Business." The two-word message created a buzz amongst fans and experts, hinting at his determination to make a strong case for a return to the Indian Test side.Though Kishan was not part of India's squad for the upcoming Test series against Bangladesh, his hundred in the Duleep Trophy will certainly have caught the attention of the selectors. His innings came at a time when India's wicket-keeping department is undergoing transition, and Kishan's impressive form could lead to opportunities shortly.Notably, Kishan was a late inclusion in the India C squad, joining the team on the eve of the game after recovering from a groin injury that had kept him out of the first round of the tournament. Sanju Samson had initially replaced him in the India D squad due to his injury.

Basit Ali reveals how Mohammad Rizwan is better skipper than Babar Azam

Former Pakistan cricketer Basit Ali has backed Mohammad Rizwan to become the next captain of Pakistan replacing Babar Azam.

New Delhi Former Pakistan cricketer Basit Ali has backed Mohammad Rizwan to become Pakistan's new skipper replacing Babar Azam. Notably, Rizwan and Babar were pitted up against each other in Match 4 of the Pakistan Champions Cup between Markhors and Stallions where Markhors emerged victorious by 126 runs.

Batting first, Markhors were bundled for 231 runs in 45 overs. In reply, Stallions were all out for just 105 runs as Zahid Mahmood picked up a sensational 5/18 in 4.4 overs. Following his team's remarkable victory, Basit Ali showered praise on Rizwan's captaincy calling him the best skipper in Pakistan.He showered plaudits for Rizwan's game sense and his pitch-reading abilities saying even Babar couldn't have done that. Basit further said that him not being the captain of the current team is a big loss for the nation."The way Rizwan led the side, he proved there is no better skipper than him. He has shown it with his captaincy. He read the pitch; it is a big thing. Even Babar can't do that. I am not even talking about Shan. If you don't make him captain at this time, then it is a loss for Pakistan. This is the best time

you should make Rizwan the captain," Basit said on his YouTube channel.

Babar's poor tenure as Pakistan skipper

Notably, Babar has been under fire for his poor captaincy ever since the Asia Cup 2023 where Pakistan failed to qualify for the final. They were further knocked out of the ODI World Cup 2023 in the league stage itself followed by a group stage exit in the T20 World Cup 2024 which included an embarrassing loss against first-timers USA.

He also performed poorly in their recent 0-2 series loss against Bangladesh scoring just 64 runs from four innings. On the other hand, Rizwan finished as the highest run scorer of the series with 294 runs from four innings. The 32-year-old was also the highest run scorer of the team in the ODI World Cup 2023 where he scored 395 runs from eight innings.Hence, Rizwan has shown his prowess with the bat across formats and could soon be appointed as the skipper given the current tumultuous period in Pakistan cricket.

Shraddha Arya

Announces Pregnancy: 'We Are Expecting A Little Miracle'

Actress Shardha Arya and her husband Rahul Nagal on Sunday announced that they are all set to welcome their first bundle of joy. The actress took to Instagram, where she shared a video of herself and her husband with a positive pregnancy test and a picture of the sonography."We Are Expecting A Little Miracle!!! #Pregnancy #FutureParents #Blessed," she wrote as the caption. Shraddha got married to Rahul Nagal, an Indian Navy officer, in November 2021 in the presence of their close ones. Earlier Shraddha had posted a picture with her best friend Anjum Fakih from their Swiss trip on her birthday.

It's My Most Crazy Bestie's Birthday!! Thank You For bringing in so much joy and weirdness into my life.. Life would have been so banal without you!!! May You stay this carefree and chirpy always !!! Love You! @nzoomfakih P.s. This song 'Cuz we were trippin' on it throughout our Swiss Trip," she said.On the work front, Shraddha started her career with Zee TV's talent hunt show "India's Best Cinestars Ki Khoj", in which she became the first runner-up.She made her acting debut in 2006 with the Tamil movie 'Kalvanin Kadhali' opposite actor-director SJ Surya. The diva made her Bollywood debut in 2007 with 'Nishabd', directed by Ram Gopal Varma, starring Amitabh Bachchan and Jiah Khan. Shraddha essayed the lead role in the show 'Main Lakshmi Tere Aangan Ki', alongside Sudeep Sahir. She has been a part of TV operas like 'Tumhari Paakhi', 'Dream Girl' and 'Kundali Bhagya'.Actress Shraddha, who married in 2021, was seen in the city with her husband Rahul on September 12. Photos and videos quickly went viral online. In one video shared by Viral Bhayani, Shraddha wore an all-black outfit with a crop top. What caught people's attention was her trying to cover her belly with a clutch, sparking rumours of a possible baby bump.

Raveena Tandon

Clicks Photo With Fan Who Scared The 'Living Daylights' Out of Her: 'A Promise Kept...'

Actress Raveena Tandon, who had earlier revealed that she panicked after a fan reached out to her in London for selfies, said that she found the person, who "scared the living daylights out of" her and clicked pictures with him. On Friday, Raveena shared a note on social media describing how she "panicked" fearing for her life in London when a few men approached her when she was walking around alone. However, she had apologised and said that she didn't intend to offend anyone.The actress on Sunday shared a string of pictures among, which was a picture with the fan. She said that she found him through social media and fulfilled the promise. "Just the days when I'm a starship, ready to fly…. When one walks free, dress up time, event ready, then ofcourse not without my reema @reemapandit," she wrote.

The actress added, "Then the star for the week #bhavpatel , who scared the living day lights out of me and I found him through social media reached out, and fulfilled my promise of taking a picture with and he got me the yummiest chocolates to eat! #londondiaries."Raveena had put out a post, where she mentioned that in London, she was walking by and a few men approached her. "I anyway have heard not such great things about the crime situation here, so I withdrew a bit when they asked if I was who I am, and my first instinct was to say no and walk away even faster as I was alone , they just wanted a picture I guess, and I most of the time oblige, but after the incident that happened in bandra a few months ago, has left me a bit nervous and traumatised, so when I'm with people I am ok , but alone I still get a bit nervous these days."She regretted that she couldn't give the photos to the "innocent fans" but she "panicked".

Samantha Ruth Prabhu Doubted When Naga Chaitanya Said 'I Love You' To Her: 'I Didn't Buy It...'

Naga Chaitanya and Samantha Ruth Prabhu's love story had all the elements of a rom-com. They met on the set of Yeh Maaya Chesave and stayed friends until the sparks flew during Autonagar Surya. By 2015, they were flirting on Twitter (now X), and soon, the fans were shipping 'Chay-Sam.' Their grand Goa wedding in 2017 was like a scene straight out of a fairytale. But in a plot twist no one saw coming, they announced their separation in 2021. And just when fans were adjusting, Naga Chaitanya got engaged to actress Sobhita Dhulipala.Long back, during an interview with TFPC on YouTube, Samantha and Naga Chaitanya opened up about their journey in the film industry and their relationship. As part of the interview, the host asked Chaitanya to propose to Samantha. Samantha said, "Say like you mean it." Initially shy, Chaitanya said, "From the bottom of my heart, Samantha, I love you." Samantha, not convinced by his delivery, quipped, "Did you believe that? I didn't buy it." She urged him to say it again with more feeling. Chaitanya then repeated his proposal, saying that he always means what he says.

Speaking with Karan Johar on Koffee With Karan 7, Samantha had admitted that the split with Naga Chaitanya was not amicable. Speaking about the separation, Samantha said on the show, "It has been hard. But it's good now. It's fine. I am stronger than I have ever been." Karan asked her if there are any hard feelings. The actress replied, "Are there hard feelings like if you put us both in a room, you have to hide sharp objects? Yeah, as of now, yes." "So it's not an amicable situation right now," KJo asked her. "Not right now, but maybe sometime in the future, yeah," she replied.Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala got engaged on August 8, in a private ceremony at Chay's home in Hyderabad. Chay's father, actor Nagarjuna Akkineni, posted photos from the event on his Twitter account. The engagement has caused a divide on social media between Chay's fans and those of his ex-wife, Samantha Ruth Prabhu.

Sunita Ahuja Recalls First Encounter With Govinda: 'He Was in College, I Was In Class 9'

Govinda's wife, Sunita Ahuja, who was previously known as Sunita Munjal before their marriage, recently reflected on the early days of their relationship. Sunita, the sister of Govinda's maternal uncle Anand Singh's wife, first met the actor while she was still in school and he was in college. It was Anand Singh, a director, who introduced Govinda to the film industry with his debut in Tan-Badan (1986).During a recent appearance on the Time Out with Ankit podcast, Sunita shared how she first encountered Govinda. "My sister married his maternal uncle, and I saw him for the first time at their wedding. He was in his final year of BCom and I was in Class 9. My brother-in-law told me that Govinda was from Virar, a simple man who loved his mother a lot. He also mentioned that no girl could impress him. I remember wondering what kind of boy he was that no girl could impress him. When I told my brother-in-law I could, he said it was impossible. So, I asked him what if I did, and he challenged me to prove it first," she recalled.Sunita further revealed that around the same time, they began working on Tan-Badan. Initially, Anand Singh offered her the role of the female lead, which she declined due to the workload, and the part was eventually given to Khushbu Sundar. Recounting a memorable moment, she said, "On the day of the Muhurat, Govinda, my brother, and I were in a car together. My brother was seated in the middle, and when I rested my hand on the headrest, I noticed Govinda's hand there as well. I realised he was subtly touching mine. My immediate thought was to catch him right away. That's how our affair began." They dated for three years before eventually getting married, and the couple has now been together for 37 years. "I've known him for 40 years," she added.Sunita also fondly remembered how Govinda gifted her a Cadbury chocolate after finishing college, marking a special moment in their relationship. Initially, she admitted that she didn't find him particularly attractive, as she was from Bandra, a more affluent area, while he was from Virar. "I used to look down on him due to my more sophisticated upbringing," she confessed. However, when she met Govinda's mother, who liked her immediately, things began.